www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 76 I नर्मदापुरम, शुक्रवार 13 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

कबाड़ा खरीदने के बहाने करता था रेकी, साढ़े11 लाख रु.की चोरी का खुलासा पृष्ठ 2

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग
'मुट्ठी' में शीतलपेय पृष्ठ 4

किसान की मौत से गुस्साए परिजन, शव लेकर पहुंचे एसडीएम कार्यालय पृष्ठ 6

ऊर्जादाता बनेंगे मध्यप्रदेश के किसान पृष्ठ 8

धधकती चिता बना विमान

242 यात्री थे सवार, एक जिंदा बचा

अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरते ही हादसे का शिकार हुआ एयर इंडिया का 787-7 बोईंग विमान

डॉक्टर्स हॉस्टल पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

प्लेन की सीट नंबर 11-ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है। इससे पहले एपी ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। दुर्घटना के मद्देनजर, सभी विवरणों के समन्वय के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। जिसका नंबर: 011-24610843 7 9650391859 है। डीजीसीए ने बताया कि विमान में दो पायलट और केबिन क्रू के 10 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। डीजीसीए ने बताया कि विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल की थी, लेकिन जब एटीसी ने एयरक्राफ्ट से संपर्क साधने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला।

इतने लोग सवार थे

1. **भारतीय- 169**
2. **ब्रिटेन- 53**
3. **पुर्तगाल-7**
4. **कनाडा- 1**
5. **पायलट, क्रू मेम्बर-12**

बेटी से मिलने जा रहे थे लंदन

हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन

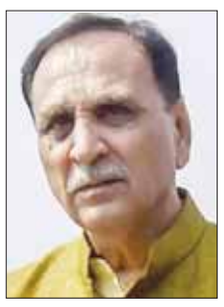

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे में भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई। वह 68 वर्ष के थे। वे अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। एक अनुभवी राजनेता, रूपाणी ने अगस्त 2016 से सितंबर 2021 तक गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। उनके शासन में निवेश, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर जोर दिया गया। विजय रूपाणी का जन्म 2 अगस्त 1956 को रंगून (अब यांगून) में हुआ था। राजनीतिक उथल-पुथल के कारण उनका परिवार गुजरात के राजकोट आ गया। सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से उन्होंने बीए और एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह आरएसएस और इसके छात्र संगठन एबीवीपी के माध्यम से छात्र राजनीति में सक्रिय हुए। रूपाणी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1987 में राजकोट में नगरसेवक के रूप में की।

सबने कहा- निःशब्द कर गया हादसा

हृदय विदारक हादसा हम सबके लिए बहुत दर्दनाक है, पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथ है।

द्रोपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

यह दर्दनाक हृदय विदारक हादसा शब्दों से परे है। अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध कर दिया।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

दिल तोड़ देने वाला भयावह हादसा है, जिसे व्यक्त करने शब्द नहीं हैं। हम सबकी संवेदनाएं प्रभावितों के साथ हैं।

राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा

दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों की आत्मा को प्रभु शांति प्रदान करें।

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

जाको राखे साइयां.., 625 फीट से गिरकर जीवित बचा शख्स

इस भीषण हादसे में एक व्यक्ति जिंदा बच गया है। अब इसे कुदरत का करिश्मा ही कहें कि जाको रखे साईयां मार सके न कोई ...। फ्लाइट रडार के आंकड़ों के अनुसार 625 फीट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद विमान हादसे का शिकार हो गया। लेकिन इस हादसे में एक शख्स जिंदा भी बच गया है। अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने कहा है कि पुलिस को सीट 11ए पर एक जीवित व्यक्ति मिला। व्यक्ति अस्पताल में पाया गया है और उसका इलाज चल रहा है। अभी तक मौतों की संख्या के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि विमान आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। जिंदा बचे शख्स का नाम रमेश विश्वास कुमार बताया जा रहा है। विश्वास का अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इसी विमान में दिल्ली से आए युवक ने की थी तकनीकी गड़बड़ी की शिकायत

एयर इंडिया की इसी फ्लाइट दिल्ली से बैठकर आए एक युवक ने तकनीकि गड़बड़ी की शिकायत की थी। इस शख्स ने अपना नाम आकाश वत्स बताया है। उसने दावा किया है कि फ्लाइट के दौरान ही उसने विमान में तकनीकी दिक्कतों को लेकर शिकायत की थी। एक्स पर एक पोस्ट में आकाश वत्स नाम के इस शख्स ने दावा किया कि सफर के दौरान उसने कुछ अजीब चीजें महसूस कीं। उन्होंने कहा, कि मैं अहमदाबाद में उतरने से पहले उसी फ्लाइट में 2 घंटे तक था। मैं दिल्ली से चढ़ा था। वत्स ने अपने सफर से जुड़े कुछ वीडियो भी पोस्ट किए हैं। इस युवक ने यह भी बताया कि विमान में एसी काम नहीं कर रहे थे, जिसकी वजह से आसपास के यात्री सीट पॉकेट में रखी मैगजीन को हवा करने के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। वत्स ने कहा कि फ्लाइट में एसी के साथ टीवी स्क्रीन्स और केबिन क्रू को बुलाने के लिए लगे बटन भी काम नहीं कर रहे थे। उसने एक टीवी चैनल से बातचीत में बताया कि विमान के पायलट ने अहमदाबाद में लैंडिंग के समय टर्बुलेंस का सामना करने की चेतावनी से जुड़ा एलान भी किया था।

अपार असहनीय दुख दे गया हादसा।

डॉ. छात्रावास का मैस जिस पर विमान टकराकर फंसा।

विमान गिरने का घटनास्थल जहां पेड़ भी झुलस गए।

चकनाचूर विमान के पहिए वाला हिस्सा।

हेल्पलाइन नम्बर

♦ एअर इंडिया द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पैसेंजर हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 ♦ नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। संपर्क सूत्र 011-24610843 7 9650391859 है।

डॉक्टर दंपती के लिए आखिरी उड़ान साबित हुआ नया सफर

बांसवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान के बांसवाड़ा में रहने वाले डॉक्टर दंपति ने अपने 3 बच्चों के साथ अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी। उनकी आंखों में भविष्य के सुनहरे सपने थे, नए सफर की खुशी थी। विमान में बैठकर उन्होंने सेल्फी ली, जिसमें सभी चहक रहे हैं, लेकिन, यह सफर और सेल्फी आखिरी साबित हुई। जानकारी के अनुसार, बांसवाड़ा की रातीतलाई कॉलोनी में रहने वाले डॉ. जेपी जोशी के बेटे प्रतीक जोशी, बहू डॉ. कौमी और दंपति के तीन बच्चे मिराया, नकुल और प्रद्युत लंदन जाने के लिए विमान में सवार हुए थे। डॉ. प्रतीक उदयपुर के पेसिफिक मेडिकल कॉलेज में पदस्थ थे। कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वे लंदन में किसी चिकित्सकीय संस्थान से जुड़ने वाले थे। इसी कारण वे अपनी पत्नी और 3 बच्चों के साथ भारत से लंदन जा रहे थे। लेकिन, विमान हादसे ने उनके सपने ही नहीं पूरा परिवार ही खत्म कर दिया। बांसवाड़ा की मोहन कॉलोनी में रहने वाले डॉ. प्रतीक के मामा डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने बताया कि उनके माता-पिता सुरक्षित हैं। वे उन्हें सी-ऑफ करने के लिए अहमदाबाद गए थे, अभी वहीं ही हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रतीक के माता-पिता भी बांसवाड़ा में डॉक्टर हैं। डॉ. जेपी जोशी सोनोग्राफी सेंटर संचालित करते हैं। उनकी पत्नी भी चिकित्सक पद से सेवानिवृत्त हैं।

हॉस्टल के लड़के ने दूसरी मंजिल से कूद कर बचाई जान; चश्मदीद बोले

यात्री विमान हादसे को लेकर चश्मदीद ने बताया कि मैं तब घर पर ही था, जब हमने एक जबरदस्त आवाज सुनी। जब हम बाहर निकले तो हवा में धुएं का जबरदस्त गुबार देखा। जब हम यहां आए तो हर तरफ लाशें और क्रैश हुए प्लेन का मलबा ही बिखरा दिखाई दिया। वहीं अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के बाहर खड़ी रमीला नाम की एक महिला ने बताया कि उनका बेटा जब हॉस्टल में खाना खाने गया था, उसी समय यह विमान हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा सुरक्षित है और मेरी उससे बात हुई है। उसने दूसरी मंजिल से कूदकर अपनी जान बचाई। इसलिए उसे कुछ चोटें आई हैं।

एक अन्य व्यक्ति ने दावा किया कि जिस जगह प्लेन क्रैश हुआ, वहां से उसका दफ्तर 2 सौ मीटर दूर है। उसने बताया कि जैसे ही मैं बाहर निकला, एक तेज आवाज आई और पूरा इलाका धुएं से भर गया। एक सन्नाटा छा गया और फिर हमने देखा कि बड़ी दुर्घटना हुई है। उस व्यक्ति ने कहा कि हम जैसे ही घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां काफी मलबा फैला देखा। इलाके में आग और धुआं ही धुआं था। कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। तब हमें पता चला कि विमान के पंख इधर-उधर पड़े हैं और एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया है। हमें हताहतों की जानकारी नहीं है, लेकिन यहां एक बिल्डिंग है, जहां डॉक्टर रहते हैं। इस बीच अस्पताल के बाहर ऐसे भी कई लोग दिखे जो आंखों में आंसू लिए अपने परिजनों को ढूंढ रहे थे।

भारत की एयरलाइनों के कुछ बड़ी विमान दुर्घटनाएं

7 भयावह हवाई दुर्घटनाओं में मारे गए थे सैकड़ों यात्री

- 1 जनवरी 1978 को एयर इंडिया की उड़ान संख्या 855 का बोइंग 747 विमान मुंबई से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद अरब सागर में गिर गया । विमान के सभी 213 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मृत्यु हो गई ।
- 23 जून 1985 को टोरंटो से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया की उड़ाना संख्या 182 के विमान सम्राट कनिष्क को खालिस्तानी आतंकवादियों ने आयरलैंड तट के पास बम विस्फोट से उड़ा दिया। इस हमले में विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गयी। यह भारत का सबसे घातक विमान हादसा माना जाता है।
- 14 फरवरी 1990 को बेंगलुरु में एयरबस ए320 विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया । हादसे में 92 लोगों की मृत्यु हो गई।
- 12 नवम्बर 1996 को हरियाणा के चरखी दादरी में दो विमान हवा में ही टकरा गए थे। इसमें एक विमान सऊदी एयरलाइंस की उड़ान संख्या 763 और दूसरा कज़ाकिस्तान एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1907 था। इस हादसे में दोनों विमानों में सवार सभी 349 लोगों की मौत हो गई ।
- 22 मई 2010 को दुबई से मैंगलोर लौट रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737 विमान के रनवे से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने से 158 लोगों की मौत हो गई।
- 7 अगस्त 2020 को केरल के कोझिकोड एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस का वंदे भारत मिशन पर गया विमान दुबई से लौट रहा विमान रनवे से फिसल का दो हिस्सों में टूट गया। इस हादसे में 21 लोगों की जान चली गई।
- 17 जुलाई 2000 को अलायंस एयर के विमान के पटना के रिहायशी इलाके में गिरने से 56 यात्रियों की मौत हो गई थी।

कबाड़ा खरीदने के बहाने करता था रेकी, साढ़े 11 लाख रु.की चोरी का खुलासा

पिपरिया, देशबन्धु। सूने घर से 10 लाख के जेवर सहित डेढ़ लाख रुपए नकदी चुराने वाले बबलू पारधी को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी से 10 लाख के जेवरात भी जब्त कर लिए। उसने कबाड़ा खरीदने के बहाने की थी घर की रेकी। घटना 16 अप्रैल 2025 की बताई गई है। ग्राम पचुआ निवासी हेमंत पिता हनुमतसिंह चौधरी घटना के दिन सुबह करीब साढे 10 बजे पत्नी और बच्चों के साथ पिपरिया बाजार करने गया था। जब वह दोपहर 3 बजे घर पहुंचा तो मुख्य द्वार पर लगा ताला और कुंदा टूटा मिला। अंदर जाकर नजारा देखा तो समझ गया कि चोर उसके घर पर हाथ साफ कर गए। हेमंत ने थाने जाकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई। जिसमें 10 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात सहित 1 लाख 50 हजार रुपए नकदी चोरी होना बताया। घटना के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मंगलवारा थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी की टीम ने फरियादी के घर, आसपास के सीसीटीवी और साइबर सेल की मदद से आरोपी बबलू पिता नापलाल पारधी 42 वर्ष निवासी 11 न. वार्ड, अर्जुन नगर, ग्राम आंखखेडी थाना औबेदुल्लागंज जिला रायसेन को घेराबंदी कर पकडा। आरोपी से 93.690 ग्राम सोने के एवं 39.400 ग्राम चांदी के जेवर (कुल कीमत 10 लाख) जब्त किये। जबकि नकदी रुपए आरोपी ने खर्च कर दिए।

कबाड़ा खरीदने के बहाने करता था यह काम

पुलिस के द्वारा पूछताछ के दौरान आरोपी बबलू पारधी ने चोरी की घटना तो कबूल की। साथ ही बताया कि वह कबाड़ा खरीदने और मनिहारी का सामान बेचने के बहाने से रैकी करता था। खाली घरों पर उसकी नजर रहती थी। उसने बताया कि जिस कुंदे में ताला लटकता है, वह उसे आसानी से चटका देता है। इस खुलासे में थाना स्टेशन रोड प्रभारी विजय सनस, उप निरीक्षक किशन उइके, सहायक उप निरीक्षक प्रकाश सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र शिल्पी, आरक्षक प्रेमशंकर शिल्पी, अजय चौहान, हेमंत, अभिषेक नरवरिया, संदीप यदुवंशी के अलावा सउनि गणेश राय, विजय, अजमेर, श्यामा की भी भूमिका रही।

इनका कहना है

बबलू एक आदतन अपराधी है। इसका बेटा भी एक चोरी के मामले में जेल में है। अन्य मामलों को लेकर भी जांच की जा रही है।

गिरीश त्रिपाठी प्रभारी, मंगलवारा थाना पिपरिया

उद्योगों को स्थापित करने के लिए किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री से मूंग खरीदी का किया आग्रह

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मुख्यमंत्री निवास पर समत्व भवन में प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी से नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने गुरुवार को मुलाकात की। इस दौरान सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सम सम्यक विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री से ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन का आग्रह किया।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को याद दिलाया कि आपने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को गति प्रदान की है, आपने प्रधानमंत्री के विकसित भारत संकल्प की पूर्ति के लिए सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना के माध्यम से किसानों को अन्नदाता से ऊर्जा बनाने के लिए कार्य किया है। आपने कृषि आधारित उद्योगों को स्थापित करने के लिए किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिये है। उनका दीर्घकालीन लाभ किसानों को प्राप्त होगा। इसके साथ ही किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ पहुंचने के लिए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मूंग खरीदी प्रारंभ करने आग्रह किया।

महा स्नान के साथ जगन्नाथ जन्मोत्सव आरम्भ

नर्मदापुरम, देशबन्धु। बुधवार को पूर्णिमा के अवसर पर महा स्नान के साथ अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाडा में भगवान जगन्नाथ का जन्मोत्सव आरम्भ हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। पूरा गांव जय जय जगन्नाथ के जयकारों से गूंजता रहा। प्रात: सबसे पहले भगवान के स्नान के लिए पूजा अर्चना ने बाद नर्मदा जल लाया गया। उसके उपरांत ठाकुर राजा डा आशुतोष शर्मा द्वारा भगवान की विशेष पूजा की गई। फिर भगवान को मंदिर से पंडाल में लाया गया। इस दौरान ठाकुर राजा ने सोने की झाड़ू से भगवान की राह को साफ किया। उसके पश्चात ओडिशा से पधारे विद्वान रश्मि रंजन पाणी और अन्य ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ बलभद्र, सुभद्रा, भगवान जगन्नाथ और सुदर्शन चक्र के औषधि युक्त जल से स्नान कराए गए।

स्नान के बाद भगवान का गजानन श्रृंगार किया गया। आरती भोग के बाद शाम तक भगवान के भक्तों की दर्शन दिए। शाम को आरती के बाद भगवान अस्वस्थ होने के कारण विश्राम में चले गए। भगवांनके मुख्य अर्चक बाबाजी प्रसाद दास ने बताया कि अब भगवान स्वस्थ होने के बाद 27 जून को नगर भ्रमण करते हुए अपनी मौसी के घर जाएंगे। इसके लिए मालाखेड़ी स्थित स्वयंवरम गार्डन को गुंडीचा भवन बनाया जा रहा है।

आरोन, यशवर्धन, और सरगम ने जीते पदक तो छाया हर्ष

मेडल जीत कर घर वापस लौटने पर खिलाड़ियों को गले लगाया, किया सम्मान

नर्मदापुरम, देशबन्धु। डाल्फिन स्विमिंग अकादमी बुधवाडा रोड मे 53 वी मध्य प्रदेश तैराकी प्रतियोगिता 2025 खंडवा मे खिलाडियों आरोन डेविड, यशवर्धन देशमुख एवं सरगम बाथरे तीनो के द्वारा कांस्य पदक जीतने पर सभी खिलाडियों का भव्य स्वागत किया गया। जिसमें सभी खिलाड़ी उपस्थित रहे और अरुण शर्मा के द्वारा उनका सम्मम्मान किया गया, एवं प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम मे आलोक राजपूत , मार्तंड देशमुख , डॉ आकाश डेविड , अशोक कुमार यादव , गोपाल बरोनिया, सतीश मेहरा, कोच अरविंद उमरे,यशवंत सिंह आंकरे, चेतन सिंह आदि उपस्थित रहे।

पहल: निराश्रित गोवंश के आश्रय के लिये बनाए जाएंगे कामधेनु निवास

हरदा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित गौवंश की आश्रय समस्या के निराकरण के लिए स्थाई समाधान निकाला गया है। अब प्रदेश में कामधेनु निवास स्वावलंबी गौशाला स्थापित होंगी, जहां बड़ी संख्या में गौवंश की देखभाल की जाएगी। इसके लिए सरकार द्वारा 'मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौशालाएं कामधेनु निवास स्थापना की नीति 2025' को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है इस नीति के तहत प्रदेश में स्वावलंबी गौशालाएं स्थापित की जाएगी, जिनमें न्यूनतम 5000 गौवंश का पालन अनिवार्य होगा। इनमें से 30 प्रतिशत गौवंश उन्नत दुधारू नस्ल का हो सकता है। सरकार द्वारा अधिकतम 125 एक? शासकीय भूमि के उपयोग के अधिकार गौशाला संचालकों को दिए जाएंगे। इन गौशालाओं में 5000 से अधिक गौवंश होने पर प्रति 1000 गौवंश पर 25 एकड़ अतिरिक्त शासकीय भूमि दी जा सकेगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग लैंड बैंक तैयार करेगा। भूमि पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वामित्व में रहेगी तथा विभाग की तरफ से मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड और गोपालक संस्था के मध्य उपयोग अनुबंध निष्पादित किया जाएगा। भूमि जैसी है वैसी के आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। भूमि पर विकास कार्य गोपालक संस्था को करवाना होगा। कामधेनु निवास की स्थापना के लिए कोई भी पंजीकृत संस्था जैसे कि फर्म, ट्रस्ट, समिति, कंपनी अथवा उनके संघ इस योजना का लाभ ले सकेंगे। संघ अधिकतम पांच संस्थाओं के लिए मान्य होगा, इससे अधिक संख्या वाले संघ को मान्यता नहीं होगी। इन गौशालाओं में गोपालन के साथ ही पंचगव्य निर्माण, बायोगैस, जैविक खाद, नस्ल सुधार, दुग्ध प्रसंस्करण, सौर ऊर्जा, बायोगैस आदि व्यावसायिक गतिविधियां की जा सकेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा प्रोफेशनल मीट का आयोजन

गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मृतकों की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई

हरदा, देशबन्धु। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी के तहत गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय '' कमल कुंज'' हरदा में प्रोफेशनल समिट का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम श्री मोदी द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, पूर्व केबिनेट मंत्री कमल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सिंह वर्मा एवं पूर्व टिमरनी विधायक संजय शाह ने किया । तत्पष्चात पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें उन्होने भारत के अमृतकाल में सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 वर्ष की उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे शिक्षक, शिक्षाविद, अधिवक्ता, चिकित्सक, इंजीनियर्स, स्टार्ट अप, खिला?ी, व्यापारी, सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले एन.जी.ओ. राष्ट्रपति पुरूस्कार प्राप्त एवं समाज के विभिन्न क्षेत्र में काम करने वालों को आमंत्रित कर प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया जिसमें जिलाध्यक्ष श्री वर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए श्री मोदी के विकास कार्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। विशेष वक्ता शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक बसंत सिंह राजपूत ने विकसित भारत में हमारी भूमिका विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि भारत देश श्री मोदी के नेतृत्व में विश्व की आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति के साथ साथ स्टार्ट अप के क्षेत्र में भी विश्व पटल पर उभरकर सामने आया है, शिक्षा क्षेत्र में भारतीय मूल्यों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास तो होगा ही साथ ही साथ विद्यार्थी इस शिक्षा नीति के माध्यम से समाजहित एवं देशहित में अपने दायित्वों का निर्वहन भी करेंगे। मुख्य वक्ता पूर्व केबिनेट मंत्री कमल पटेल ने सशक्त भारत सुरक्षित भारत विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स?क, बिजली, पानी के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, हमारी ऐतिहासिक विरासतों का पुर्नउत्थान किया है। श्री मोदी के नेतृत्व में भारत चहुमुखी विकास कर रहा है। भारत की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अपने शौर्य एवं पराक्रम का प्रदर्षन किया है। मुख्य अतिथि दुर्गादास उइके सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ने सेवा सुषासन, गरीब कल्याण के 11 साल विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि श्री मोदी की सरकार के 11 साल बेमिसाल है। इन 11 वर्षों में भारत देश के प्रत्येक नागरिक का विकास हुआ है। श्री मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को प्राप्त हो रहा है। श्रीमोदी की सरकार ने महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिष्चित की है। तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। श्री मोदी का 2047 तक भारत को परम वैभव तक पहुँचाने का लक्ष्य है। कार्यक्रम का संचालन संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के जिला संयोजक राजेश गोदारा ने किया एवं आभार सह संयोजक विनित गीते ने किया। कार्यक्रम के अंत में गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मृतकों की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजली दी गई एवं दुर्घटना में घायल यात्रियों की कुशलता की कामना की।

खनिज अधिकारी ने नागरिकों से की अपील

बरसात में पानी भर चुके गड्ढों में जाने से बच्चों व जानवरों को रोकें

हरदा, देशबन्धु। , जिला खनिज अधिकारी आर.पी. कमलेश ने सर्वसाधारण से अपील की है कि जिले में सड़कों के किनारे तथा ग्राम बसाहट के आसपास सड़क निर्माताओं, खदान मालिकों, भूमि स्वामियों द्वारा पूर्व से उत्खनन से बनाये गये गड्ढे में बरसात में पानी भरने की संभावना रहती है। इन गड्ढे में पानी भरा होने से गहराई का पता नहीं चल पाता है, ऐसे गड्ढे में जाने से बच्चों तथा जानवरों को रोकें तथा स्वयं भी किसी प्रकार का निस्तार न करें, नहाने, कपडे धोने एवं वाहन धोने न जाये। गड्ढों की गहराई खडी एवं अधिक होने से इनसे बाहर निकलना मुश्किल होता है तथा डूब जाने की दुर्घटनायें होती है, ऐसी अनजानी दुर्घटनाओं से बचें और दूसरों को भी इसकी समझाईश दें। जिले में उत्खनी पट्टाधारियों को खनिज विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया है कि वे अपनी खदानों के चारों ओर प्रभावी प्रभावी ढंग से फेंसिंग लगावें तथा खदान क्षेत्र में प्रतिबंधित क्षेत्र सूचना बोर्ड लगायें। उत्खनी पट्टाधारियों द्वारा खदानों के चारों ओर प्रभावी फेंसिंग नहीं लगाये जाने पर अथवा लापरवाही करने से दुर्घटनायें हो जाने पर खनिज पट्टाधारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मोबाइल एप हुआ लांच

हरदा, देशबन्धु। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा अपने सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए ''स्मार्ट एमपीसीजेड'' मोबाइल एप लॉन्च किया गया है।

यह एप कंपनी के पोर्टल पर उपलब्ध क्यूआर कोड और गूगल प्ले स्टोर से भी डाउनलोड किया जा सकता है। इससे बिजली खपत प्रोफाइल और अकाउंट की जानकारी देखने की सुविधा रहेगी। साथ ही उपभोग पैटर्न की जानकारी भी मिलती रहेगी। कंज्यूमर आईडी को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से जोडकर एप का उपयोग किया जा सकेगा। एप से एक ओर जहां बिजली कटौती की सूचनाएँ प्राप्त होती रहेंगी, वहीं उपभोक्ता को अपने मीटर की स्थिति की जाँच करने में भी आसानी होगी। उपभोक्ता द्वारा कितनी बिजली उपयोग की गई है, इसकी रिपोर्ट देखने के साथ ही स्मार्ट मीटर ऐप के जरिए उपभोक्ता सेवा केन्द्र 1912 से संपर्क करने की सुविधा भी मिलेगी।

'एप' कैसे करें डाउनलोड

एप को डाउनलोड करने के लिए सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर पर जाना होगा इसके बाद सर्च बार में ''स्मार्ट एमपीसीजेड'' टाइप करना होगा। फिर एप को डाउनलोड और इंस्टॉल करना होगा। जब यह पूरी तरह से इंस्टाल हो जाए तो एप को खोलें और अपनी कंज्यूमर आईडी तथा रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज करें। जैसे ही आप यह प्रक्रिया पूरी करते हैं तो एक ओटीपी आपके मोबाइल पर आएगा इसे दर्ज करके एप को लॉगिन किया जा सकेगा।

माझी समाज के लोगों के साथ अन्याय, मछली वाले मामले में नाराजगी खत्म नहीं हुई, बोले: हमें काम से रोक रहे

आमला, देशबन्धु। रेलवे रमली डेम में मछुआरों ने 100 किलो मछली पकड़ी, लेकिन आरपीएफ के जवानों ने उन्हें छीन लिया और अपने साथ ले गए। यह घटना माझी समाज के लोगों के साथ अन्याय का एक उदाहरण है, जो मछली पकड़कर अपना जीवन यापन करते हैं। माझी समाज के अध्यक्ष राजेश अमझरे ने बताया कि मछुआरों का मछली पकड़ने का ही काम है मछली पकड़ना हमारा अधिकार है हमारे अधिकारों से हमको वंचित नहीं किया जा सकता है अगर ऐसा कोई गैर कानूनी काम किया जा रहा है तो आरपीएफ को नियमानुसार कानूनी कार्यवाही करना चाहिए ऐसा अमानवीय व्यवहार करना बहुत ही गलत बात है। आरपीएफ के उच्च अधिकारियों को इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की जाएगी। रेलवे रमली डेम से मछली पकड़ने का कोई ठेका नहीं हुआ है, और मछुआरों द्वारा कभी-कभी मछली पकड़ी जाती है। लेकिन आरपीएफ के जवानों ने नियमों की अनदेखी करते हुए मछुआरों से मछली छीन ली। अगर मछुआरों द्वारा कोई गैर कानूनी काम किया जा रहा था, तो उन पर नियम से कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए थी।

नगरपालिका परिषद लोगों की समस्या कर रही हल, नपाध्यक्ष और सीएमओ करेंगी शिकायतों के निराकरण की समीक्षा

पहले दिन नपा की जनसुनवाई में आए 20 आवेदन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगरपालिका परिषद द्वारा नागरिकों की समस्याओं के निराकरण करने हेतु आज से प्रत्येक गुरूवार को जनसुनवाई शुरू की गई है। नगरपालिका में जनसुनवाई के पहले दिन 20 से अधिक आवेदन आए। जिनका विधिवत निराकरण किया गया। कुछ निर्माण कार्य से संबंधित शिकायतें थीं उन शिकायतों को प्रोसेस में लिया गया है। जल्द ही उन समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर एवं पहल1, रीना गुप्ता, सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा सहित नगरपालिका की समूची टीम उपस्थित रहीं।

जन्म प्रमाण पत्र बनाकर दिया

कई दिनों से एक व्यक्ति अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र को बनाने के लिए भटक रहा था। आज जैसे ही जनसुनवाई में पहुंचा और यह बात जब नपाध्यक्ष और सीएमओ तक पहुंची तो उन्होंने तत्काल उस बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनाकर देने के निर्देश दिए। पिता संतोष भार्गव अपने बच्चे आयुष भार्गव का तत्काल प्रभाव से जन्म प्रमाण पत्र बनाकर दिया। वहीं एक वार्ड 28 की हितग्राही पट्टा की समस्या लेकर आई उसे जांच करने के उपरांत कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके अलावा सफाई अभियान, अतिक्र मण आदि समस्याओं का आज निराकरण किया गया। कुछ निर्माण कार्य से संबंधित शिकायतें थीं उन शिकायतों को प्रोसेस में लिया गया है। जल्द ही उन समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

अधिक से अधिक लोगों को लाभ हो

आज से शुरू हुई जनसुनवाई का अच्छा रिस्पांस मिला है। अधिकांश समस्याओं का तत्काल निराकरण कर दिया गया हैं। कुछ समस्याएं हैं जिनका विधिवत निराकरण किया जाएगा। आए आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। हमारा मानना है कि नागरिकों की अधिक से अधिक समस्याओं का निराकरण हो। नगर के नागरिकों से आग्रह है कि वे जनसुनवाई में आकर अधिक से अधिक अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

नीतू महेंद्र यादव
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद नर्मदापुरम

निराकरण की समीक्षा करेंगे

नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने प्रत्येक गुरूवार को जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। जो भी समस्याएं आई हैं उनका संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर दिया गया है। कुछ आवेदनों को प्रोसेस में लिया गया है।
उनका भी निराकरण किया जाएगा। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को जनसुनवाई में आने वाली समस्याओं के शीघ्र समाधान करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

हेमेश्वरी पटले
मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नर्मदापुरम

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

अंशु अग्रवाल महिला महासभा की जिला महामंत्री नियुक्त की गईं

इटारसी, देशबन्धु। अग्रवाल समाज की सदस्य श्रीमती अंशु अग्रवाल को मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला

महासभा की जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल एवं मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला महासभा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रश्मि अग्रवाल की सहमति से इटारसी नगर की श्रीमती अंशु अश्विनी अग्रवाल को उनके समाजहित में योगदान एवं सहभागिता को देखते हुए मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला महासभा की जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है।

वर्षों से जमे पुलिसकर्मियों में हड़कंप

इटारसी, देशबन्धु। स्पेशल डीजी प्रशासन पुलिस द्वारा जारी आदेश के बाद पुलिस महकमे के उन पुलिस कर्मियों में हड़कंप सा मच गया हैं जो वर्षो से एक ही थाने जमे हुए हैं। इस आदेश के बाद उन्हें अन्यत्र जाना ही होगा। खास बात यह हैं कि दोबारा उसी स्थान पर पदस्थापना के लिए कम से कम तीन साल इंतजार करना होगा। यह आदेश आरक्षक से उपनिरीक्षक तक उन सभी पुलिस कर्मियों पर भी लागू रहेगा।

श्रीकृष्ण यादव समाज कल्याण समिति की बैठक 15 को

इटारसी, देशबन्धु। श्रीकृष्ण यादव समाज कल्याण समिति की मासिक बैठक का आयोजन आगामी 15 जून को श्री यादव भवन पर किया गया है। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रीकृष्ण यादव समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष आरके यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्व यादव समाज की महिला-पुरुष एवं युवाओं की संयुक्त बैठक 15 जून रविवार को दोपहर पश्चात 4 बजे से श्रीयादव भवन इटारसी पर आयोजित की गई है। बैठक में मासिक आय-व्यय पर चर्चा के साथ ही श्रीयादव भवन में चल रहे नवनिर्माण एवं सुधार कार्यों पर उपस्थित यदुजनों से चर्चा की जाएगी। साथ ही श्रीकृष्ण यादव समाज कल्याण समिति इटारसी जिला नर्मदापुरम के संपन्न हुए त्रिवार्षिक निर्वाचन में आगामी नई कार्यकारिणी विस्तार पर विचार-विमार्श किया जाएगा। श्री यादव ने यदुजनों से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

कलेक्टर ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया, दिए जरूरी निर्देश

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव नागू, तहसीलदार हरदा राजेन्द्र पंवार, इलेक्शन सुपरवाइजर अप्पू कुट्टी, पीआईयू के कार्यपालन यंत्री, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

निर्धारित शुल्क से अधिक राशि मांगने पर स्टाम्प वेंडर का लायसेंस निलंबित

हरदा , देशबन्धु। जिला पंजीयक एवं अनुज्ञप्ति प्राधिकारी दिनेश कुमार कौशले ने निर्धारित शुल्क से अधिक स्टाम्प शुल्क की मांग करने वाले टिमरनी के स्टाम्प वेंडर सुबोध अग्रवाल का लायसेंस निलंबित करने के आदेश जारी किये है। जिला पंजीयक कौशले संबंधित स्टाम्प वेंडर श्री अग्रवाल को अपना सभी अभिलेख उप पंजीयक टिमरनी के समक्ष जमा करने के निर्देश दिये है। श्री कौशले ने बताया कि संबंधित स्टाम्प वेंडर श्री अग्रवाल को 18 जून को समक्ष में उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये है। जवाब संतोषजनक न पाये जाने पर अनुज्ञप्ति निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

स्कूल के पास बेखौफ की जा रही रेत डंप, सड़क पर फैली रेत से हो रही दुर्घटनाएं, प्रशासन बेखबर

इटारसी, देशबन्धु। पिछले तीन चार दिनों से सीएम राइज स्कूल, पीपल मोहल्ला के पास पुराने राजेंद्र शाला स्कूल के सामने सड़क किनारे ओवर लोड ट्रालियों से रेत डंप की जा रही है। रेत सड़क पर फैल रही है इससे दुर्घटनाएं भी हो रही है। बीते दिनों यहां एक सायकल सवार को चोट भी लग चुकी है। प्रतिदिन इस मार्ग से सैकड़ों वाहनों की आवाजाही होती है। रेत के कारण बड़ी दुर्घटना हो सकती है। प्रशासन इस पूरे मामले से बेखबर है। ट्राली कभी रात में तो कभी सुबह 8 से 9 बजे के बीच आती है और डंप करके चली जाती है। ट्राली किसकी है। कौन इस कारोबार को चला रहा है किसी को जानकारी नहीं है।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा मप्र मंडी बोर्ड भोपाल के संभागीय अध्यक्ष पद पर नियुक्ति से हर्ष, परिहार का स्वागत

इटारसी, देशबन्धु। संयुक्त संघर्ष मोर्चा मध्यप्रदेश मंडी बोर्ड भोपाल के संभागीय अध्यक्ष पद पर कृषि उपज मंडी इटारसी सचिव अरविन्द कुमार परिहार को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर मंडी कर्मचारी संघ इटारसी एवं व्यापारी संघ के पदाधिकारी एवं व्यापारियों द्वारा आज भोपाल में श्री परिहार का स्वागत किये जाने के उपरांत प्रवास से लौटने पर कृषि उपज मंडी इटारसी कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान कर्मचारियों एवं व्यापारियों द्वारा संभागीय अध्यक्ष बनने पर श्री परिहार का गुलदस्ता एवं पुष्पहार से स्वागत किया गया एवं मिठाई खिलाई गई। श्री परिहार द्वारा सभी उपस्थित व्यापारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुये भरोसा दिलाया कि नियम अंतर्गत सभी कठिनाईयों के संबंध में हमेशा उनके साथ खड़े रहकर समस्याओं का निराकरण कराया जायेगा। श्री परिहार एवं मंडी कर्मचारी संघ इटारसी द्वारा संयुक्त संघर्ष मोर्चा मध्यप्रदेश मंडी बोर्ड भोपाल के प्रातीय संयोजक बीबी फौजदार एवं मोर्चा में शामिल प्रांताध्यक्ष अंगिरा पाण्डे, रामवीर किरार, नैनसिंह सोलंकी, वीरेन्द्र कुमार नरवरिया, संतोष सिंह दीक्षित सहित का मंडी और खलिहान के संपादक बीएस खान का आभार व्यक्त किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र पटेल भी कार्यालय में उपस्थित थे और उनके द्वारा भी स्वागत कर बधाई दी गई। इस अवसर पर अजय खन्ना, मनोज अग्रवाल, नवीन कुमार शर्मा अध्यक्ष न्यू ग्रेन मर्चेन्ट एसोशियेसन इटारसी, सचिव हिमांशु अग्रवाल, अनिल मित्तल, रितेश अग्रवाल, कमल मित्तल, भगवान दास मालवीय, संदेश अग्रवाल, पवन मित्तल, मांगीलाल मालपानी एवं कर्मचारी रामनाथ इवने, सीताराम पवार, प्रेमनारायण उज्जैनिया, अनमोल कुमार, ओपी मालवीय, राजेश इंगले, अक्षय पवार, राजेन्द्र बर्डे, कैलाश चांवरे, तरूण चौरे आदि उपस्थित रहे।

युवा संगम रोजगार मेले में 109 आवेदकों का प्राथमिक चयन हुआ

हरदा,देशबन्धु। शासकीय आई टी आई हरदा में गुरूवार को युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया गया।

जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 225 बेरोजगार आवेदक ने अपना पंजीयन कराया। मेले में 6 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर कुल 109 बेरोजगार आवेदकों का प्राथमिक चयन कर ऑफर लेटर प्रदान किये। इस दौरान टाटा मोटर्स अहमदाबाद ने 29, शिव शक्ति एग्रीटेक ने 7, फिनोलेक्स पाइप पुणे ने 22, आरसेटी हरदा ने 10, वोल्वो आईशर ने 24 ,एलआईसी हरदा ने 17 युवाओं का प्रशिक्षु कर्मी, सेल्समेन, अप्रेंटिस, ऑपरेटर, बीमा एजेंट आदि पदों पर प्राथमिक चयन किया। उन्होने बताया कि युवा संगम में काउंसलरों के द्वारा 55 बेरोजगार आवेदकों की काउंसलिंग भी की गई है। आगामी रोजगार मेला जुलाई माह के दूसरे गुरुवार को आयोजित किया जाएगा।

खुशियों की सौगात लेकर आया युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला

इटारसी, देशबन्धु। सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के संरक्षण में कुबेर अर्थात किंनली अंडरस्टैंडिंग बिजनेस एनवायरनमेंट रेगुलरली इनिशिएटिव के अंतर्गत के गुरुवार को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय इटारसी में युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा जय किशोर चौधरी ने दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन एवं माल्यार्पण कर मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने ऋण वितरण एवं ऑफर लेटर वितरण कर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। मेला प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी टी प्रतीक राव ने बच्चों से आमने-सामने संवाद कर बच्चों को रोजगार एवं स्वरोजगार के बारे में जानकारी दी एवं बच्चों से भी अपने विचार साझा किए।

डिप्टी कलेक्टर श्रीमती बबीता राठौर ने भी बच्चों को रोजगार मेले के महत्व को समझाया। डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियंका भलावी ने बच्चों को रोजगार के लिए प्रेरित करते हुए रोजगार मेले के फायदे बताए। सिटी मजिस्ट्रेट विजेंद्र रावत ने बच्चों को मार्गदर्शन

प्रदान कर रोजगार मेले के महत्व को समझाया। जिला रोजगार कार्यालय अधिकारी डॉ एबी खान एवं जिला रोजगार प्लेसमेंट अधिकारी धर्मेश तिवारी उपस्थित रहे।

अतिथि सत्कार प्राचार्य आरके चोलकर एवं विद्यावती सूर्यवंशी विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रिकल ने किया। प्राचार्य आर के चोलकर ने कहा कि रोजगार मेला केवल जॉब खोजने का एक अवसर नहीं है अपितु यह एक समग्र विकास का प्लेटफॉर्म है जहां युवा, कंपनी एवं शासन तीनों एक साथ मिलकर जिले की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देते हैं।

इस अवसर पर भूपेंद्र जोठे, लोकेंद्र सिंह बनाफर, विकास सिद्धू, प्रबल गौर, निखिल विजयवाड, सोनिया सराठे, इति महालहा, हेमलता शुक्ला, नैनी पटेल, अनिता वर्मा, नेहा केदारे, आशीष चौरे, लखन लाल कोरी, अंकित मिश्रा, प्रवेश चौरे, नीलेश गौर, शैलेन्द्र सिंह राजपूत सहित 16 निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाने वाली कंपनी एवं स्वरोजगार दिलाने वाले 8 विभाग उपस्थित रहे।

मुनिश्री ने किया दीनदयाल रसोई केंद्र का किया अवलोकन

हरदा , देशबन्धु। हरदा में संचालित दीनदयाल रसोई केंद्र का अवलोकन जैन मुनिश्री 108 निर्णय सागर जी महाराज ने किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की इस अवसर पर जैन समाज के सचिव संजय जैन,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती साधना जैन,अजय जैन,मनोज जैन,संभव जैन,सचिन जैन और रसोई केंद्र के प्रबंधक राजू बिलारे आदि उपस्थित थे। दीनदयाल रसोई केंद्र का संचालन वर्ष 2017 से निरंतर नगर पालिका के सहयोग से निर्णय शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति हरदा के द्वारा किया जा रहा है।यहाँ मात्र 5 रुपए में भोजन प्रदान किया जाता है। इस रसोई केंद्र की विशेषता यह है कि यहाँ सभी को टेबल कुर्सी पर बिठाकर व्यवस्थित तरीके से सात्विक भोजन कराया जाता है,मुनिश्री निर्णय सागर जी महाराज ने रसोई केंद्र की व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

पूर्व प्राचार्य उइके ने मध्य रेल उपयोगकर्ता समिति की बैठक में रखे विचार

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल निवासी पूर्व प्राचार्य रामराव उइके गुरुवार को मुंबई में आयोजित मध्य रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक में सम्माननीय सदस्य के रूप में शामिल हुए। समिति की यह बैठक रेल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने एवं नीति-निर्धारण में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आयोजित की गई थी। उइके ने बैठक के दौरान बैतूल जिले में रेल यात्रियों की सुविधाओं के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने ट्रेनों में स्वच्छता, प्लेटफार्मों पर पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था, बुजुर्ग एवं दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सहायता व्यवस्था जैसी प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सदन का ध्यान आकर्षित किया।

हृदय अभियान की तर्ज पर सभी गांवों में महिलाओं व बच्चों का सर्वे कराएंः कलेक्टर

कलेक्टर ने राष्ट्रीय स्वास्थ कार्यक्रमों की समीक्षा की

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि पिछले वर्ष हृदय अभियान के तहत चयनित 59 ग्रामों में महिलाओं एवं बच्चों का सर्वे कर उनके कुपोषण, शिक्षा, टीकाकरण व उपचार संबंधी जो जानकारी एकत्रित की गई थी, उसी तर्ज पर अब जिले के सभी ग्रामों में महिला बाल विकास विभाग, शिक्षा व स्वास्थ विभाग के कर्मचारियों का दल बनाकर सर्वे का कार्य कराया जाए तथा सर्वे में प्राप्त समस्याओं को चिन्हित कर उनका निराकरण किया जाए। उन्होने कहा कि सभी गांवों के सर्वे से यह भी स्पष्ट होगा कि कितने बच्चे स्कूल जाने से वंचित हैं। सर्वे में चिन्हित ऐसे सभी बच्चों को स्कूलों में पंजीबद्ध कराकर उनकी शिक्षा की व्यवस्था की जाए।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने स्वास्थ विभाग के द्वारा संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ कार्यक्रम, मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने कहा कि यह प्रयास किया जाए कि जिले की प्रत्येक गर्भवती महिला को गर्भावस्था में कम से कम तीन बार स्वास्थ परीक्षण की सुविधा मिले तथा समय पर उसका टीकाकरण हो जाए। उन्होने कहा कि सभी गांवों में आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व स्वास्थ कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करें और सभी के संस्थागत प्रसव की व्यवस्था की जाए। कलेक्टर श्री जैन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह को निर्देश दिये कि दूरस्थ क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में जहाँ डॉक्टर पदस्थ नहीं है, वहां टेली कंसल्टेशन की सुविधा के माध्यम से मरीजों के उपचार हेतु मार्गदर्शन की व्यवस्था की जाए।

कलेक्टर ने जिले के आदिवासी बहुल ग्रामों में शिविर लगाकर सभी आदिवासी परिवारों के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश भी दिये। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों के हृदय रोग तथा कटे फटे होंठ संबंधी ऑपरेशन की व्यवस्था की जाए। उन्होने परिवार कल्याण कार्यक्रम में भी गति लाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री जैन ने परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत हर माह नसबंदी शिविरों के आयोजन के लिये कैलेण्डर निर्धारित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिये।

जूनियर राष्ट्रीय फुटबॉल के लिए खिलाड़ी चयन प्रतियोगिता 18 से

इटारसी, देशबन्धु। जूनियर राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता 10 जुलाई 2025 को प्रारंभ की जा रही है। इस तारतम्य में अंतर जिला फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। अंतर जिला फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत नर्मदापुरम जिला फुटबाल संघ को मिलाकर अन्य 08 जिलों के मध्य यह प्रतियोगिता 18 जून 2025 से 28 जून 2025 तक इटारसी में स्थित श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल प्रशाल में किया जाना है। प्रतियोगिता में खेलने वाले खिलाड़ियों के आवास की व्यवस्था सिंधिया खेल प्रसाल एवं गोठी धर्मशाला में की गई है।

जिला फुटबाल संघ के सचिव दीपक परदेसी ने बताया कि प्रतियोगिता में इंदौर, नीमच, रतलाम, भोपाल, सीहोर, ग्वालियर, धार, मुरैना एवं नर्मदापुरम जिले की टीमें खेलने के लिए शामिल होंगी। यह प्रतियोगिता लीग पद्धति पर आधारित होगी। इसी प्रतियोगिता में से 10 जुलाई 2025 से होने वाली राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा। प्रतियोगिता की तैयारियां लगभग पूर्ण हो गई हैं। यह पूरी प्रतियोगिता जिला फुटबाल संघ अध्यक्ष सतीश सांवरिया, नेशनल फुटबाल अध्यक्ष विष्णुकान्त पांडे डेनी, फाइटर फुटबाल क्लब के अध्यक्ष सत्यम अग्रवाल, प्रीतम तिवारी, अश्विनी मालवीय, नवनीत कोहली के साथ समस्त जिला फुटबाल संघ की कार्यकारिणी की देखरेख में किया जाना है।

स्वस्थ शरीर में रहता है स्वस्थ मस्तिष्क

पिपरिया, देशबन्धु। खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन शासकीय कन्या उ मा विद्यालय पिपरिया में हुआ। शिविर में हैंडबॉल, ताइक्वांडो, फुटबॉल का प्रशिक्षण 5 मई से प्रारंभ किया गया था। जिसमें 200 खिलाड़ियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम अतिथि बीआरसीसी प्रदीप कुमार शर्मा, प्राचार्य शासकीय कन्या उ मा विद्यालय अरविंद रघुवंशी,वरिष्ठ खिलाड़ी ओपी सिंह राजपूत, रमेश कुमार गौर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के मध्य हैंडबॉल का मैत्री मैच खेला गया। अतिथि बीआरसीसी प्रदीप शर्मा ने कहा स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है इसलिए निरंतर खेलें एवं शरीर एवं मन को स्वस्थ रखें। अतिथियों ने खिलाड़ियों को अच्छे खेल के लिये शुभकामनाएं दी। समापन कार्यक्रम में विकासखंड खेल प्रभारी अरविंद कुमार शर्मा, समन्वयक खेल युवा कल्याण प्रीतम सिंह पुर्विया, मनोज राठी, फुटबॉल कोच सचिन पुर्विया , हैंडबॉल कोच रशीद शाह, ताइक्वांडो कोच नरेंद्र मालवी, निशा मालवी , नारायण कहार, अमित ठाकुर, आयुष कुशवाहा उपस्थित रहे।

ई-नीलामी बिक्री सूचना

एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

CIN - U67100MH2007PLC174759

पंजीकृत कार्यालय : एडलवाइस हाउस, पहली मंजिल, ऑफ सी.एस.टी. रोड, कलीना, मुम्बई - 400098.

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 ("नियमावली") के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल प्रत्याभूत परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई--नीलामी बिक्री सूचना।

असाइनर की वित्तीय सुविधाएं **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** को सौंपी गई हैं, जो दिए गए कॉलम में स्पष्ट रूप से उल्लिखित विभिन्न ट्रस्टों के ट्रस्टी के रूप में कार्य कर रही है। उक्त असाइनमेंट के अनुसरण में, **ईएआरसी** ने असाइनर के स्थान पर कदम रखा और सुरक्षित ऋणदाता के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग किया। **ईएआरसी** ने, सुरक्षित ऋणदाता के रूप में अपनी क्षमता में, सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) और उसके तहत नियमों के तहत नीचे उल्लिखित अचल सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा कर लिया था।

एतद्द्वारा नोटिस सर्व साधारण और विशेषकर कर्जदार और जमानती (ओं) को **15/30 दिन की सूचना** दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पक्ष में बंधक अधोल्लिखित अचल प्रत्याभूत परिसंपत्तियाँ जिनका **भौतिक कब्जा** प्रत्याभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी (एओ) द्वारा ले लिया गया है, **ईएआरसी** के देय नीचे वर्णित राशियों और इस पर आगे की ब्याज व अन्य व्यय/लागतों, घटाए कर्जदार और जमानती से **ईएआरसी** को प्राप्त कोई धनराशि, की वसूली के लिए "जो है जहाँ है" और "जहाँ है, जैसी भी है" और "जो भी है" आधार पर बिक्री की जायेगी। प्रत्येक संपत्ति के लिए आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि जमा नीचे वर्णित हैं। इस नोटिस को सुरक्षा प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं नियम 9(1) के तहत बिक्री की सूचना के रूप में माना जाएगा।

नीलामी के लिए रखीं प्रत्याभूत परिसंपत्ति का विवरण:

ऋण खाता सं./ बिक्री संस्थान	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम	ट्रस्ट का नाम	बैंक और शाखा का नाम, खाता नंबर और आईएफएससी कोड	कुल बकाया 10.06.2025 तक	आरक्षित मूल्य (रु. में)	अग्रिम जमा राशि ईएमडी (रु. में)	नीलामी तिथी व समय	कब्जे का प्रकार
5E2RHB73568177, 5E2RHT76160747 & 5E2RHT74929610 Bajaj	1) प्रकाश नाथ शैव्या (ऋणी) 2) गीता शैव्या (सह-ऋणी)	EARC Trust SC 422	Edelweiss Asset Reconstruction Company Limited - EMD Account - [000405158602] Bank - ICICI BANK IFSC - ICIC0000004	₹ 16,10,048.37, ₹ 17,23,219.06 & ₹ 4,58,973.20	₹ 13,80,000/- (रुपये तेरह लाख अस्सी हजार मात्र)	₹ 1,38,000/- (रुपये एक लाख अडतीस हजार मात्र)	30.06.2025 दोपहर 12.30 बजे	भौतिक

संपत्ति का विवरण: खसरा नंबर 150/2 एवं 151/2 एवं 151/3 पर 1250 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले प्लॉट का समस्त भाग एवं अंश, प्लॉट नंबर 262 का 25*50 का 1250 वर्ग फीट ग्राम बिजनवाडा, पटवारी हल्का नंबर 34, बी. नंबर 247, पंचमढ़ी विहार कॉलोनी पिपरिया तहसील पिपरिया जिला होशंगाबाद 461001, **चतुर्सीमाएँ:-** पूर्व: प्लॉट नंबर 277; पश्चिम: 25 फीट की सडक; उत्तर: प्लॉट नंबर 261; दक्षिण: प्लॉट नंबर 264

नीलामी प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी:

1.	ईएमडी डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) ''एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड - ईएमडी अकाउंट'' के पक्ष में मुंबई में देय होगा।
2.	आरटीजीएस के माध्यम से किए गए ईएमडी भुगतान निम्नलिखित खाते में होंगे: खाता का नाम: ''एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड - ईएमडी खाता'' खाता संख्या: 000405158602; बैंक का नाम -आईसीआईसीआई बैंक; आईएफएससी कोड: IFSC ICIC0000004
3.	ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि — नीलामी की तिथि से एक दिन पूर्व तक प्राप्त किए जायेंगे।
4.	बोली जमा करने का स्थान — पहली मंजिल, एडलवाइस हाउस, ऑफ सीएसटी रोड, कलिना, मुम्बई - 400098
5.	नीलामी का स्थान (नीलामी हेतु वेबसाईट) — ई-नीलामी (https://auction.edelweissarc.in)
6.	संपर्क विवरण साथ फोन नं. — टोल फ्री नंबर : 1800 266 6540
7.	संपत्ति के निरिक्षण की तिथि एवं समय — पूर्व समयादेशानुसार

बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया ईएआरसी की वेबसाइट अर्थात **https://auction.edelweissarc.in** पर दिया लिंक देखें।

दिनांक : 12-06-2025 **प्राधिकृत अधिकारी**

स्थान : मुम्बई **वास्ते एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड**

Edelweiss Asset Reconstruction

देशबन्धु

नर्मदापुरम, शुक्रवार 13 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

जून आते ही आपातकाल की चर्चा शुरु

देश में एक बार फिर आपातकाल पर चर्चा छेड़ी जा चुकी है। पिछले 11 सालों से यह सिलसिला चल ही रहा है कि जून का महीना आते ही आपातकाल की याद दिलाकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके साथ कांग्रेस को भी कटघरे में खड़ा किया जाए। ठीक है कि इतिहास की गलतियों से सबक लेकर वर्तमान सुधारने और भविष्य को संवारने की नसीहत दी जाती रही है। लेकिन यहां मकसद कुछ और ही दिखता है। पहली बात तो यह कि आपातकाल किन हालात में लागू किया गया, संवैधानिक व्यवस्था के तहत ही इस पर फैसला लिया गया या नहीं, अगर उस समय आपातकाल नहीं लगाया जाता तो क्या पूरे देश में अराजकता नहीं फैल जाती, इन बातों पर ईमानदारी से विचार न कर केवल एकतरफा राय थोपी जाती है कि इंदिरा गांधी तानाशाही मानसिकता की थीं, वे सारी शक्ति अपने हाथ में रखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने आपातकाल लगाया। ऐसे इल्जाम लगाने वाले लोग भूल जाते हैं कि उन्हीं इंदिरा गांधी को फिर से जनता ने ही भारी बहुमत देकर सत्ता पर बिठाया था। खैर, आपातकाल आज से 50 बरस पुरानी बात है और इस एक फैसले के अलावा भी इंदिरा गांधी ने बहुत से अन्य क्रांतिकारी फैसले लिए थे, प्रिवीपर्स का खात्मा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, परमाणु परीक्षण, बांग्लादेश का निर्माण, इन सब फैसलों की तारीख और साल भाजपा उस तरह से याद क्यों नहीं करती है, जैसे आपातकाल को करती है। यहीं मकसद की बात सिद्ध होती है कि जब अपनी सत्ता की उपलब्धियां गिनाने के लिए कुछ खास न रहे, तो फिर पूर्ववर्ती शासकों की गलतियां गिनाकर ध्यान भटकाया जाए। भाजपा इस समय इसी कार्य में लगी है।

आपातकाल के पचास बरस पर मोदी सरकार के 11 बरस भारी पड़ सकते थे, बशर्ते इस एक दशक में देश को सम्मान और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कोई काम हुआ होता। मगर 11 सालों की याद करें तो सबसे पहले योजना आयोग का खात्मा, फिर नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन, किसान आंदोलन, सीएए, एनआरसी, जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेना, उसे केंद्र शासित राज्य बनाकर दो हिस्सों में बांटना, राम मंदिर उद्घाटन ऐसे कदम और फैसले ही याद आते हैं। इन सबमें उपलब्धि कम और विवाद ज्यादा खड़े हुए हैं, और जो रही-सही कसर थी, उसे डोनाल्ड ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार ने पूरी कर दी। भारत का वैश्विक स्तर पर अपमान करने की चेष्टा अमेरिका ने शुरु से की, लेकिन नेहरूजी से लेकर बाजपेयीजी और डा. मनमोहन सिंह तक सारे प्रधानमंत्रियों का रुतबा ऐसा था कि अमेरिका कोशिश ही करता रह गया, कभी कामयाब नहीं हुआ। अब डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ युद्धविराम पर बार-बार अपना दावा ठोंक रहे हैं और अब अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर पाकिस्तानी जनरल असीम मुनीर को खास न्यौता देकर ट्रंप ने भारत को नीचा दिखाने की चेष्टा की है। इधर कनाडा में होने जा रहे जी-7 को लेकर भी खुलासा हुआ है कि भारत को पहले इसमें आमंत्रित नहीं किया गया था, फिर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने खुद फोन करके प्रधानमंत्री मोदी को आने का न्यौता दिया, लेकिन इससे पहले एक शर्त मनवा ली। शर्त यह कि कनाडा के साथ कानून प्रवर्तन यानी लॉ इनफोर्समेंट में भारत सहयोग करेगा। नरेन्द्र मोदी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी ने खुद इसकी जानकारी दी है। इसमें हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड का जिक्र खुल कर नहीं किया गया है। लेकिन ये समझना कठिन नहीं है कि कनाडा ने लॉ इनफोर्समेंट सहयोग की शर्त आखिर क्यों रखी। वह पहले भी भारत पर इस हत्या में भागीदार होने का इल्जाम लगा चुका है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास इसी मुद्दे के बाद बढ़ी थी। अब कनाडा अपनी शर्त मनवा कर भारत को न्यौता दे रहा है, इसका कैसा संदेश दुनिया में जाएगा, यह समझा जा सकता है। वैसे भी आखिर किसी समूह की बैठक में भागीदारी के लिए शर्त मानने की बात क्या उचित है, क्या यह भारत के सम्मान को ठेस पहुंचाना नहीं है, यह भी विचारणीय है।

विदेश नीति से लेकर घरेलू मसलों तक कई मुद्दों पर इस समय व्यापक चर्चा की जरूरत है। संसद का मानसून सत्र तो अगले महीने शुरु होगा, लेकिन विपक्ष पिछले एक महीने से पहलगाम हमले और आपरेशन सिंदूर को लेकर संसद के विशेष सत्र की मांग करता रहा और सरकार ने उसकी बात नहीं सुनी। क्या सत्ता की मनमर्जी आपातकाल जैसी ही नहीं लगती है। संसद में बैठे विपक्षी सांसदों की बात सरकार नहीं सुनती, अपने आलोचक लेखकों-पत्रकारों-बुद्धिजीवियों पर तरह-तरह के अंकुश लगाए जाते हैं, किसानों की मांगें पूरी नहीं होतीं, विद्यार्थियों की तकलीफ सरकार नहीं समझ रही है, ये सब देश में अघोषित आपातकाल की तरह ही हैं। लेकिन सरकार इसे बहुमत का अधिकार समझ कर अपना शक्ति प्रदर्शन करने में लगी है। ऑपरेशन सिंदूर का राजनैतिक मकसद पूरा होता नहीं दिखा तो अब सरकार ने इसकी चर्चा थोड़ी कम कर ली है और साथ ही आपातकाल की 50वीं बरसी मनाने के लिए, जो विशेष सत्र बुलाना था, उससे भी कदम पीछे खींचे गए, क्योंकि सत्र लगता तो फिर विपक्ष सरकार से वही सवाल पूछता जो महीने भर से पूछ रहा है। हालांकि अब एक और फैसले की जानकारी आई है कि देश के सभी जिलों में 25-26 जून को मॉक पार्लियामेंट यानी नकली संसद का आयोजन करेंगी और छात्रों को आपातकाल की भयावहता के बारे में बताएगी कि किस तरह कांग्रेस ने उस समय सारी शक्ति अपने हाथ में करने की कोशिश की थी और यह लोकतंत्र पर कुठाराघात था।

भाजपा के इस फैसले में भले अपने राजनैतिक हित साधने का मकसद हो, लेकिन कहीं छात्रों ने 50 साल पहले के हालात और आज के सरकार के फैसलों की तुलना करनी शुरु कर दी, तब क्या सच्चाई की परतें नहीं खुलेंगी। मॉक पार्लियामेंट में भी दोनों पक्षों को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है, अगर विपक्ष में बैठे छात्रों ने सरकार से आज के मुद्दों पर सवाल करने शुरु कर दिए, तब भाजपा क्या करेगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग

■ डॉ. ज्ञान पाठक

स्वतंत्रता के बाद से ऐसा कभी नहीं हुआ जब भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर लोगों का इतना अविश्वास रहा हो, जितना अब खुलकर व्यक्त किया जा रहा है। ईसीआई को चुनावी लड़ाई में एक तटस्थ अंपायर के रूप में अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कई मौकों पर ऐसा लगा कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का ही एक विस्तार है। इस संवैधानिक निकाय की स्वायत्तता को कानूनी साधनों के ज़रिए सीमित कर दिया गया है। चुनावों के दौरान, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पक्ष लेता हुआ देखा गया है, खास तौर पर उनके नफरत भरे भाषणों के मामले में, और चुनाव के बाद, यह चुनावी डेटा को भी ब्लॉक कर रहा है।

हरियाणा में चुनाव 5 अक्टूबर 2024 को और महाराष्ट्र में चुनाव नवंबर 2024 में हुए। फिर भी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अब 7-8 महीने की देरी के बाद चुनावी डेटा सौंपने के लिए 'सटीक तारीख' मांगनी पड़ रही है। उन्होंने पूछा, 'मतदाता सूची सौंपने के लिए चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया पहला अच्छा कदम है। क्या चुनाव आयोग कृपया सटीक तारीख की घोषणा कर सकता है, जिस तक यह डेटा डिजिटल, मशीन-पठनीय प्रारूप में सौंप दिया जायेगा?'

सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागज़ात' या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया, जिसमें याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2024 नागरिकों की चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेजों तक पहुंच को प्रतिबंधित करके संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन करता है। सरकार ने कहा कि उसे मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता है। यह स्पष्ट था कि चुनावी डेटा प्रदान न करने के लिए सरकार एक इच्छुक पक्ष थी, और ईसीआई भी डेटा नहीं दे रहा है। सवाल यह है कि डेटा को अवरुद्ध करके ईसीआई और मोदी सरकार क्या छिपाना चाहती है? फिर चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता कहां है? और जब सरकार और ईसीआई दोनों द्वारा सावधानीपूर्वक अंधकार बनाये रखा जा रहा है, तो कोई भी व्यक्ति चुनावी प्रक्रिया पर कैसे विश्वास कर सकता है?

मोदी सरकार की इच्छा के अनुसार, चलने का ईसीआई का यह एकमात्र उदाहरण नहीं है। आइए चुनावी बॉन्ड योजना मामले को याद करें। लोकसभा चुनाव 2024 से कुछ महीने पहले ही मोदी सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित किये जाने और दानदाताओं और लाभार्थी राजनीतिक दलों का विवरण प्रकाशित करने के लिए चुनाव आयोग को आदेश दिये जाने के बाद भी, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में कुछ तर्क देकर इसे प्रकाशित न करने की पूरी कोशिश की थी। पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद चुनाव आयोग को डेटा प्रकाशित करना पड़ा। चुनाव आयोग को चुनावी बॉन्ड योजना 2018 के अनुसार दानदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता का तर्क देते हुए स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तालमेल बिठाते हुए देखा।

> सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागज़ात' या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया

तीन सदस्यीय चुनाव आयोग इतना कमजोर क्यों हो गया है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हुक्म का पालन करना पड़े? ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति , सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम 2023 ने दो चुनाव आयुक्तों को संवैधानिक रूप से असुरक्षित बना दिया है। केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को ही हटाये जाने के विरुद्ध संवैधानिक रूप से संरक्षण प्राप्त है। उनका कार्यकाल मुख्य चुनाव आयुक्त की इच्छा पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, नये कानून के तहत उन्हें नियुक्त करने का अधिकार अंततः प्रधानमंत्री के पास है, जिसे नियुक्ति समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर सुरक्षित किया गया, जिससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में निष्पक्षता खत्म हो गयी। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कोई पारदर्शिता नहीं रह गयी है।

नवंबर 2021 में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सीईसी को पीएमओ के साथ बैठक में शामिल होने के लिए कहा था और सीईसी ने बैठक में भाग लिया था। यह स्पष्ट रूप से पीएमओ द्वारा ईसीआई की अधीनता का मामला था। जब विवाद हुआ, तो केंद्रीय कानून मंत्री ने एक स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह एक नोडल एजेंसी है और चुनाव सुधार से संबंधित कई मुद्दे 2011 से लंबित हैं। पीएमओ ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक 'अनौपचारिक बातचीत' थी।

ईसीआई को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया है। इसे 2019 के चुनावों के दौरान हुई घटना में देखा जा सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें थीं, जिसमें घृणा की भाषा भी शामिल थी। ईसीआई के बहुमत के फैसले ने उन्हें क्लीन चीट दे दी थी, लेकिन एक चुनाव आयुक्त ने असहमति नोट दिया था। इसके बाद आयकर विभाग ने चुनाव आयुक्त के रूप में उनकी नियुक्ति से पहले की अवधि के लिए उनकी पत्नी को नोटिस जारी किये। इसके बाद असंतुष्ट चुनाव आयुक्त ने बैठकों में भाग लेना भी बंद कर दिया और कहा कि 'अल्पमत के निर्णयों' को 'बहु-सदस्यीय वैधानिक निकायों द्वारा पालन की जाने वाली सुस्थापित परंपराओं के विपरीत तरीके से दबाया जा रहा है।'

2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक चुनाव आयुक्त ने भी इस्तीफा दे दिया था। कोलकाता में एक बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त और उक्त चुनाव आयुक्त के बीच मतभेद और विवाद भड़क गया था और दिल्ली लौटने के बाद उस चुनाव आयुक्त को इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि नये कानून के तहत चुनाव आयोग को हटाए जाने के खिलाफ संवैधानिक संरक्षण प्राप्त नहीं है।

ये कुछ ऐसे मामले हैं जो चुनाव आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता के क्षरण का संकेत देते हैं। ऐसी पृष्ठभूमि में, चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को सरसरी तौर पर खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया है कि नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में 'धांधली' हुई थी। उन्होंने पांच विशिष्ट कदम बताये जिनके माध्यम से चुनाव में धांधली हुई।

'पहला कदम :चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में हेराफेरी करना; दूसरा कदम: फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना; तीसरा कदम: मतदान प्रतिशत बढ़ाना; चौथा कदम: फर्जी मतदान को ठीक उसी जगह लक्षित करना जहां भाजपा को जीतना है; पांचवां कदम: सुबूत छिपाना' -यह देखना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी हताश क्यों थी। लेकिन हेराफेरी मैच फिक्सिंग की तरह है। जो पक्ष धोखा देता है, वह खेल जीत सकता है, लेकिन (यह) संस्थाओं को नुकसान पहुंचायेगा और नतीजों में जनता का विश्वास खत्म कर देगा। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद ही फैसला करें। जवाब मांगें,' गांधी ने कहा।

अब कई अन्य विपक्षी नेताओं ने भी जवाब मांगे हैं। लोगों को सीधे चुनाव आयोग से जवाब चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कथित तौर पर लाभार्थी पार्टी भाजपा और उनके नेता चुनाव आयोग की ओर से जवाब दे रहे हैं। फिर चुनाव आयोग की जवाबदेही कहां है? भारत को निश्चित रूप से संदेह से परे चुनाव आयोग की जरूरत है, जिसे उसे अब बहाल करना चाहिए।

'मुट्ठी' में शीतलपेय

जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी-कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी-तूफान-बारिश और जल-जमाव की। इससे भी कम चर्चा है, गर्मी में सर्दी के नाम पर आग लगाने वाली कोल्ड-ड्रिंक कंपनियों की लड़ाई की। गर्मी के साथ 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) का सीजन भी बीत गया और जिस क्रिकेट और 'आईपीएल' को बहाना बनाकर पेप्सी और कोक महाभारत सी जंग लड़ा करते थे, उस ट्राफी का प्रायोजक बनने की लड़ाई लड़ते थे, वह न होने पर एक आभासी युद्ध लड़ते थे, विपणन और विज्ञापन जगत अपनी प्रतिभा को इस सीजन के लिए बचाकर रखता था, वह सब इस सीजन में कहीं नहीं दिख रहा।

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। शीतल-पेय गांव-देहात में भी मिलता है, फैशन की चीज बन गया है, पर इस बार की शांति एक और कारण से ज्यादा चुभने वाली है।

अरविन्द मोहन

> एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं।

इस बार शीतल-पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी उतरा है जिसने दमदार दखल दी है। बाजार में आने के साथ ही उसने एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, स्थापित ब्रांडों को झकझोरा है, वितरकों को निहाल कर दिया है। ग्राहक भी पुरानी कीमत में पेय की मात्रा लगभग दोगुनी पाकर खुश हैं और लग रहा है कि देश का शीतल पेय बाजार बदलने जा रहा है। दशकों पहले मर से गए एक ब्रांड, 'कैम्पा कोला' को 'पार्ले ड्रिंक्स' वाले चौहान से मामूली कीमत पर खरीदकर मुकेश अंबानी और 'रिलायंस' ने एक नए कारोबार में पैर बढ़ाए हैं और वहां के सारे समीकरण बदल दिए है। प्रतिद्वंद्वी ब्रांडों ने कीमत कम की है, मात्रा बढ़ाने की कोशिश भी हो रही है, लेकिन ग्राहक और नीचे तक के वितरक दूसरे ब्रांड से पट जाएं तो काम आसान नहीं रहता। 'पेप्सी' और 'कोक' की तरफ से अभी जवाबी हमला नहीं हुआ है, लेकिन बाजार तो बदलता दिखता है। जानकार मानते हैं कि 'कैम्पा' का शेयर दहाई में आ चुका है।

जिस 'आईपीएल' के प्रसारण में 'कोक' और 'पेप्सी' तथा भारत में बिकने वाले उनके सबसे लोकप्रिय ब्रांड 'थम्सअप' के नए-नए विज्ञापनों की बाढ़ रहती थी, एक-दूसरे को 'गुलाब जामुन' और घटिया स्वाद वाला बताया जाता था, जिस लाल को अपना और नीले को दुश्मन बताया जाता था, वैसा इस बार कुछ नहीं है। दक्षिण के एक हीरो का बहुत औसत किस्म का विज्ञापन ही बार-बार दोहराया जा रहा था और सूचना दे रहा था कि 'कोक-पेप्सी' दौर के पहले जिस 'कैम्पा' का जलवा था, वह वापस लौट आया है। 'पेप्सी' ने 'पार्ले ड्रिंक्स' से काफी कुछ खरीदा था, लेकिन इन ब्रांडों को मरने के लिए छोड़ दिया था।

पुराने मालिक 'बिसलेरी' में ऐसे लग गए कि इन ब्रांडों को सचमुच भूल गए। उनको 'कोक-पेप्सी' की लड़ाई में गुंजाइश नहीं लगी। अब 'रिलायंस' ने नए क्षेत्र में उतरने के फैसले के साथ इस पुराने ब्रांड पर दांव लगाया है। जानकार मानते हैं कि 'रिलायंस' बड़े स्तर के व्यापार, ग्राहक और वितरक को ज्यादा-से-ज्यादा लाभ देने की रणनीति से धमका रहा है। सांसदों और सरकार के सहारे कायदे-कानून बदलवाना, बाजार और विज्ञापन जगत में मारकाट की 'पेप्सी' और 'कोक' वाली रणनीति उसने नहीं अपनाई है।

अपने पांव जमाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने तथा बड़ी संख्या में सांसद जुटाकर अपना कानून बनवाने वाली 'पेप्सी' के लिए यह भी कहा जाता है कि उसने एक आयात के बदले तीन निर्यात वाला प्रलोभनकारी दांव भी धोखे वाला खेल किया और जाने किस प्रभाव में समाजवादी कहलाने वाले मंत्री शरद यादव ने उस करार पर दस्तखत कर दिए। उस करार में यह नहीं लिखा था कि-शीतलपेय का 'कन्संट्रेट' जितनी मात्रा में आयात होगा, निर्यात भी शीतलपेय का ही होगा। हमने देखा कि 'पेप्सी' ने किस तरह छोटे निर्यातकों को थोड़े ज्यादा पैसे देकर उनके बासमती, चाय, झींगा, मसाले और इसी तरह की चीजों की खेप पर अपना मोहरा लगाकर, अपने निर्यात का कोटा पूरा किया। उसने एक पैसे का भी शीतलपेय निर्यात नहीं किया।कानून बदलते ही 'कोक' भी पधार गया तथा स्वदेशी की ठेकेदारी करने वाले रमेश चौहान ने एक मोटा पैसा लिया और ज्यादातर धंधों से हाथ खींच लिया। उसके बाद काफी कुछ हुआ, लेकिन एक अजीब बात हुई कि 'थम्सअप' ही बाजार-लीडर बना रहा। यह एक अर्थ में शीतलपेय बाजार में देसी स्वाद के बने रहने का प्रमाण था। संभव है मुकेश अंबानी और उनकी टोली को यह चीज 'कैम्पा' के तीनों ब्रांड उतारने की बड़ी वजह लगी हो, पर उनसे भी पहले यह बात 'पेप्सी' जैसी कंपनी को समझ आ गई थी-लस्सी, नींबू पानी और सत्तू का शरबत पीने वालों से भी खतरा देखकर उसने पहले साल से ही आलू, टमाटर, कीनू, अमरूद, अन्नानास वगैरह की खेती और स्नैक्स के कारोबार में हाथ लगाया। नमकीन, भुजिया और चिप्स का धंधा भी जोर-शोर से शुरू किया।

देखा-देखी 'हल्दी राम' और 'बीकानेर वाला' टाइप स्थानीय स्नैक-निर्माताओं ने भी बाजार में प्रवेश किया और अब 'पेप्सी' वहां आराम की स्थिति में है। पिछले साल का उसका मुनाफा 883 करोड़ का रहा था, जबकि उसने शीतल पेय के धंधे से लगभग हाथ खींच लिया है। वह अब सिर्फ 'कन्संट्रेट' आयात करके अपने 'फ्रेंचाईजी' वालों को देता है। 'वरुण ब्रेवरीज' को ही लगभग पूरा काम दे दिया गया है। दूसरी ओर 'कोक' के बारे में यह माना जाता है कि उसको भी हिन्दुस्तानी बाजार से ज्यादा लाभ नहीं हो रहा है। उसका धंधा एशिया क्षेत्र में होता है जिसमें जापान जैसे लाभ वाले देश हैं, इसलिए उसका घाटा या कम मुनाफा छुपा रहता है। इन सबके मद्देनजर और बाजार के शुरुआती नतीजों से लगता है कि 'रिलायंस' ने एक और बाजार को मुट्ठी में करने की पहल कर दी है।

(लेखक देश के वरिष्ठ पत्रकार है।)

ललित सुरजन की कलम से

देशबन्धु: चौथा खंभा बनने से इंकार- 20

'मेरे निमंत्रण पर सिंधियाजी मायाराम सुरजन फाउंडेशन में व्याख्यान देने 1998 में रायपुर आए। उन्हें देखने-सुनने मेडिकल कॉलेज सभागार में भीड़ उमड़ पड़ी थी। इस कार्यक्रम में अजीत जोगी भी उनके साथ थे। कार्यक्रम के बाद सिंधियाजी हमारे घर भोजन के लिए आए, जहां नगर के अनेक बुद्धिजीवियों से उनका मिलना हुआ। यह दिलचस्प तथ्य है कि एक समय वह भी आया जब अर्जुनसिंह और सिंधिया दोनों नरसिंहराव के खिलाफ़ एकजुट हुए। अभी वह हमारी चर्चा का विषय नहीं है।'

'सिंधियाजी से मेरी आखिरी भेंट लोकसभा के उनके कक्ष में हुई। वे उस रोज मुझे बहुत उदास लगे। कॉफी पीते-पीते उन्होंने कहा- ललितजी, अब सब तरफ से मन ऊब गया है। लगता है जितना जीवन जीना था जी चुके हैं। मैंने उन्हें टोकते हुए कहा- ऐसा क्यों कहते हैं। आप और हम एक उम्र के हैं। अभी तो हमारे सामने लंबा समय पड़ा है। आपको तो अभी न जाने कितनी जिम्मेदारियां सम्हालना है। यह प्रसंग जून-जुलाई 2001 का है। दो माह बाद ही 30 सितंबर को विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। मैं आज भी सोचता हूं कि क्या उन्हें मृत्यु का पूर्वाभास होने लगा था!!'

(देशबन्धु में 22 अक्टूबर 2020 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2020/10/20.html

पावन प्रसंग

रुकें नहीं, बढ़ते रहें साधना के पथ

एक वृद्ध व्यक्ति , बीमार व्यक्ति और एक मृत व्यक्ति को देखकर सिद्धार्थ को लगा कि इस संसार में दु:ख-ही-दु:ख है और तभी उनके मन में वैराग्य की भावना जाग पड़ी और अचानक एक रात वे अपनी पत्नी यशोधरा, पुत्र राहुल सहित समस्त सगे-संबंधियों व राजमहल के सुख-वैभव का त्यागकर जीवन के सत्य की खोज में निकल पड़े। वर्षों तक तप-साधना करते हुए अंततः उन्हें एक पीपल के वृक्ष के नीचे परम ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ से तथागत बुद्ध हो गए।

भगवान बुद्ध की यह कहानी सदियों से सुनी और सुनाई जा रही है और यह कोटिशः लोगों को प्रेरित करती रही है, पर बुद्ध की यह कहानी सुनने और सुनाने में, पढ़ने और पढ़ाने में तो बहुत सरल और आसान प्रतीत होती है, पर यह कहानी किसी के जीवन में उतनी ही सरलता से घटित नहीं होती। किसी के जीवन में जब ऐसी कहानी घटित होती है, तब वह पग-पग पर उस व्यक्ति की परीक्षा लेती है। प्रकृति पग-पग पर उसकी तपस्या की, साधना की, धैर्य की, पात्रता की परीक्षा लेती है। तब जाकर कोई सिद्धार्थ - बुद्ध बन पाता है।

साधक को, सिद्धार्थ को वर्षों तक साधना-पथ पर अगणित कठिनाइयों, प्रतिकूलताओं से होकर गुजरना पड़ता है और जो साधक, जो सिद्धार्थ साधना-पथ की चुनौतियों, कठिनाइयों, प्रतिकूलताओं, संघर्षों को धैर्य व संयमपूर्वक सहता हुआ आगे बढ़ता जाता है- अंततः उसे ही विजयश्री प्राप्त होती है। उसे अपने लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

सिद्धार्थ को बुद्ध बनने में भी अनगणित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। घर-परिवार, राजमहल के सुख-वैभव को छोड़कर सिद्धार्थ ने सत्य की खोज में स्वयं को समर्पित किया तो स्वाभाविक ही था कि उन्हें अनेकों कष्ट-कठिनाइयों से मुकाबला करना पड़ा हो। राजसी सुविधाओं के अभ्यस्त सिद्धार्थ के लिए अरण्यवास वैसे ही असुविधाजनक रहा था और फिर ऊपर से कठिन तितिक्षा, साधनाएं और कठोर व्रत-उपवास। भोजन की मात्रा घटाते-घटाते एकदम निराहार रहने लगे, वस्त्र इतने कम हो गए कि दिशाएं ही वस्त्र बन गईं। फिर भी लक्ष्य अभी दूर ही रहा। कभी मन में यह विचार भी आता कि मन की शांति ही मृगतृष्णा है। साधना करने से क्या लाभ? पर इन विरोधी विचारों के बीच से गुजरते हुए भी वे लक्ष्य की ओर अग्रसर होते रहे।

सर्दी-गर्मी, धूप-बारिश, भूख-प्यास आदि को सहते हुए वे अग्रसर होते रहे, पर कठिनाइयां, विषम परिस्थितियां ऐसी थीं, जो समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रही थीं। अस्तु आखिरकार लंबे समय तक कष्ट-कठिनाइयों को सहते हुए, झेलते हुए अब सिद्धार्थ का धैर्य भी जवाब देने लगा था।

जिस धैर्य का संबल पकड़कर वे साधना-समर में उतरे थे वह अब जवाब देने लगा और उनका मनोबल, संकल्प डगमगाने लगा और जो सिद्धार्थ साधना-पथ पर अब से पूर्व अग्रसर हुए जा रहे थे, वे विचलित होने लगे और घर वापस लौटने की तैयारी करने लगे। जब वे घर की ओर लौट रहे थे तो रास्ते में एक ठंडे जल की झील आई। किनारे खड़े होकर वे उसे देखने लगे। तभी उनकी दृष्टि एक गिलहरी पर पड़ी, जो बार-बार झील में डुबकी लगाती, बाहर आती, रेत पर लोटती पुनः झील में डुबकी लगाने के लिए दौड़ पड़ती। यह देखकर बुद्ध को बड़ा आश्चर्य हुआ। देर तक वे उसे देखते रहे, जब गिलहरी की क्रिया में कोई अंतर नहीं आया तो आखिर वे पूछ ही बैठे- नन्ही गिलहरी, यह तुम क्या कर रही हो? इस झील ने मेरे बच्चों को खा लिया है और अब मैं इसे खाली करके ही रहुंगी। गिलहरी ने उत्तर दिया। तब बुद्ध ने पूछा-यह भला कैसे संभव हो सकता है। मुट्ठी भर रेत ले लेकर तुम कब तक इसे सुखा पाओगी।

गिलहरी ने कहा-यह इस जनम में संभव नहीं है फिर भी मैं इस झील को सुखाना नहीं छोड़ूंगी और अब मेरे पास बात करने का समय नहीं है। मैं यह काम अधूरा नहीं छोड़ सकती। गिलहरी का जवाब सुनकर बुद्ध का आत्मविश्वास लौट आया। और पुनः वे साधना में लीन हो गए।

-अखण्ड ज्योति

आपके पत्र

आओ हम देशवासी मिलकर सहेजे ये जीवन की बूंदें

भीषण गर्मी में पानी की कमी महसूस की जा रही है। वही मानसून आंख मिचौनी कर रहा है। आधा जून बीत जाने के बाद भी बारिश की राह ताकते किसानों को निराशा हाथ लगी है। पूर्वोत्तर राज्य जहा बाढ़ से कई घर बेघर हो गए है,वहां राहत कार्य जोरों पर है। जल संकट की जिम्मेदारी पूरी तरह कृषि क्षेत्र पर डालना अनुचित है। आज देश में पानी की जितनी खपत है,वहां अनुपात में जलस्रोतों को संरक्षित करने की कोई मजबूत व्यवस्था नही है। विशेषज्ञ के मुताबिक देश में उपलब्ध कुल 70 प्रतिशत हिस्सा सिंचाई में खर्च होता है। हालांकि जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाली सरकार का मानना है कि जल संकट की जिम्मेदारी पूरी तरह कृषि क्षेत्र पर डालना अनुचित है। भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित है, वही नदी-तालाबों और कुएं में पानी का स्तर नीचे चला गया है। हकीकत में उद्योग-धंधे, फैक्टरियां व कारखाने अधिक पानी की खपत करते हैं और अपने अपशिष्ट से जल को प्रदूषित भी करते हैं। कई बार फैक्टरियां एक ही बार में उतना पानी जमीन से खींच लेती है,जितना एक गांव पूरे महीने में भी नहीं खींच पाता। गांवों में हैंडपम्पों और बोरिंग मशीनों से जमीन के निचले स्तर से पानी खींच कर उपयोग में लाया जा रहा है। यह प्रकृति के साथ छेड़छाड़ से प्रकृति का रौद्ररूप अतिवृष्टि, बाढ़ और भूकम्प में तब्दील होता है। उद्योगों के लिए 50 अरब क्यूबिक मीटर है जिसकी आपूर्ति भूगर्भीय जल संसाधनों से होती है मगर कुप्रबंधन के कारण अधिकांश पानी बर्बाद हो जाता है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ते जा रहे औद्योगिकीकरण और अवैध वन कटान से नदियां प्रदूषित हो रही है। भूजल संकट भी इसकी वजह से अत्यधिक दोहन के कारण आधे से अधिक शहरी गरीब प्रदूषित जल पीने को मजबूर है। हैंडपम्पों के पानी में लेड आर्सेनिक जैसे घातक रसायनों की मोजूदगी के चलते लोग लिवर व किडनी की बीमारी, हड्डियों का टेढ़ापन जैसी बीमारी से जूझ रहे है। यह याद रहे शुद्ध जल और शुद्ध खाना ही जीवन को लम्बी उम्र प्रदान करते हैं। भारत के हर व्यक्ति को औसतन साठ लीटर पानी मिलना चाहिए। देश में बढ़ती आबादी भूजल का अत्यधिक दोहन ग्लोबिंग वार्मिंग इत्यादि के कारण पानी ऐसी वस्तु बन जायेगा जैसा कि आज हम दूध ,घी और तेल का करते हैं। हम सभी को समझना होगा कि जल जीवन की मूलभूत जरूरत है। यदि जल संकट गहरा गया तो सारा का सारा विकास धरा रह जायेगा। हमारी गलतियों के कारण बोरिंगों की खुदाई वैध और अवैध तरीको से हो रही है। भूमिगत जल स्तर का सीमा से अधिक दोहन हो रहा है।

नदियों के किनारे बसे शहरों ने अपने इस प्राकृतिक जलस्रोतों को इतना अधिक दोहत व प्रदूषित कर दिया है कि आज ये नदिया शहरों की प्यास नहीं बुझा पाती हैं। अंधाधुंध शहरीकरण और नागरिकों की लापरवाही व प्रशासनिक उपेक्षा ने देश मे कुएं,बावड़िया, झीलें आदि परम्परागत जलस्त्रोतों की अत्यंत समृद्ध विरासत को भी बेतरह नष्ट कर डाला है। मिट्टी गाद भर जाने अधिकांश प्राकृतिक जलस्रोत मृतप्राय हो चुके है। चेतना का वक्त है। बारिश जल का उपहार प्रकृति ने हमें हर साल देती है,पर हमारी लापरवाही से वह बेकार हो जाता है। जलग्रहण का मूल सिद्धांत है कि पानी पानी दौड़े नहीं बल्कि चले और जमीन की गहराइयों में ऐसा समा जाए। इस प्रकार न केवल जल संकट से जूझते शहर अपनी तत्कालीन जरूरतों के लिए पानी जुटा पाएंगे बल्कि भूमिगत जल भी रिचार्ज हो जाएगा। हमारी सभ्यता और संस्कृति नदियों के किनारे ही विकसित हुई है। जैव विविधता, पर्यावरणीय संतुलन की जीवनरेखा भी हमारी नदियों से जुड़ी हुई है। मनुष्यों की कारगुजारियों के चलते जल संकट आज देश की सर्वाधिक गम्भीर समस्या बनी हुई है। वर्षा जल संचय को समृद्ध संस्कृति को पुनर्जीवित करने का संकल्प करें।हमारी सरकार कृषि और जल संचय के सारे उपाय किये है। उसी के बदौलत किसान के चेहरे की मुस्कराहट देखी जा सकती है।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

खेल जगत

खिलाड़ियों को तराशने के लिए टेनिस बाल क्रिकेट है अहम: वेंकटेश प्रसाद

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ और लेजेंजजी टी10 लीग के चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने टेनिस बॉल क्रिकेट की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह प्रारूप भविष्य के सितारों को तराशने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लेजेंजजी टी10 का शुभारंभ दो जून को हुआ था। टेनिस बॉल क्रिकेट को लेकर वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि कैसे दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती दिनों में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर अपनी तकनीक निखारी। उन्होने कह कि टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने में बड़ी भूमिका निभाता है। दुनिया के कई टॉप खिलाड़ियों ने इसी प्रारूप में कट, पुल जैसे शॉट्स और तेज़ रिफ्लेक्स जैसी स्किल्स सीखी हैं, बल्कि मैं खुद भी टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर बड़ा हुआ हूं, और मुझे पता है कि ज़मीन स्तर पर कितना जबरदस्त टैलेंट छुपा हुआ है।

गौतम गंभीर ने नए चेहरों का टेस्ट टीम में किया वेलकम

- सात बरस बाद वापसी करने वाले करुण नायर के जीवट का कायल
- नवोदित सुदर्शन और अर्शदीप से टेस्ट में भी कमाल की उम्मीद

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 12 जून (देशबन्धु)। भारत के चीफ कोच गौतम गंभीर ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू हो रहे पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व पूरी भारतीय टीम के खिलाड़ियों से रूबरू हुए सभी का स्वागत किया। गंभीर ने पूरी टीम के पहले टेस्ट से पहले हरेक का स्वागत किया। गंभीर ने कहा कि वह मौजूदा भारतीय टीम के साथ बतौर चीफ कोच पहले भी काम कर चुके है और कुछ के साथ केकेआर के चीफ कोच के रूप में सात बरस काम किया। मैं पूरी भारतीय क्रिकेट टीम का स्वागत करता हूं। भारतीय टीम अपने इंग्लैंड दौरे का आगाज उसके खिलाफ 20 से 24 तक हेडिंग्ले, लीड्स में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से करेगी।

गंभीर ने बीसीसीआई द्वारा जारी वीडियो में टीम हडल के दौरान कहा, 'मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस दौरे को दो तरीको से देखा जा सकता है। एक तो यह हम अपने अब टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिना इस दौरे पर है और इन तीनों की कमी एक झटका है भारतीय टीम को इस देश के लिए कुछ खास करने के मौके के रूप में देखना चाहिए। मैं कोहली और शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी एक झटका है, लेकिन इससे टीम को बेहतर प्रदर्शन करने का एक अनूठा मौका भी मिला। टीम अगर त्याग कर सकती है और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आ सकती है तो यह दौरा खास हो सकता है।

इंग्लैंड दौरे पर 'मौके को दोनों हाथों से भुनाने के लिए उत्साहित' हैं करुण नायर

नई दिल्ली। आठ साल के अंतराल के बाद लाल गेंद की टीम में वापसी कर रहे भारतीय बल्लेबाज करुण नायर 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्साहित हैं। नायर शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कैंटरबरी में पहले अनौपचारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दोहरा शतक जड़ा। हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2025 सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए आठ मैच खेले और एक अर्धशतक सहित 198 रन बनाए। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने 2016 में मोहाली में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और चेन्नई में अपने तीसरे टेस्ट में नाबाद 303 रन बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हालांकि, उस ऐतिहासिक पारी के बाद, उन्होंने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल तीन घरेलू टेस्ट मैच खेले और फिर लगातार कम स्कोर के कारण टीम से बाहर हो गए।

देश की सेवा के लिए तैयार: ऋषभ पंत

नई दिल्ली। इंडियन क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उत्साह व्यक्त किया है और उन्होंने सोशल मीडिया पर टेस्ट जर्सी पहने अपनी एक तस्वीर साझा की। पंत ने टेस्ट क्रिकेट की सफेद जर्सी में अपनी तस्वीर पोस्ट की और कैप्शन लिखा, देश की सेवा के लिए तैयार। 2018 में इंग्लैंड में टेस्ट डेब्यू करने वाले पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 12 मैच खेले और 781 रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 146 रहा है, जो 2022 में बर्मिंघम में आया था। 12 मैचों में से, उन्होंने इंग्लैंड की धरती पर नौ मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 32.70 की औसत से 556 रन बनाए हैं। हालांकि, पंत को पिछली बार ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट खेलने में संघर्ष करना पड़ा था।

सिफ्त ने म्यूनिख में लगातार दूसरे साल जीता कांस्य पदक

इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन

- भारत के नाम अब तक इस प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक हो चुके हैं

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्त कौर समरा ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल), म्यूनिख के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को प्रतियोगिता का दूसरा पदक दिलाया। पूर्व विश्व नंबर एक सिफ्त ने ओलंपिक शूटिंग रेंज में हुए फाइनल में 453.1 का स्कोर किया। स्विट्जरलैंड की एमिली जेगी ने 464.8 के स्कोर से रजत पदक और नॉर्वे की स्टार जीनैट हेग डुएस्टाड ने 466.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के नाम अब तक इस प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक हो चुके हैं।

सिफ्त का यह लगातार दूसरा 3पी कांस्य म्यूनिख में पिछले साल के कांस्य के बाद आया है। इससे पहले उन्होंने इस वर्ष अप्रैल में ब्यूनस आयर्स में आयोजित वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीता था। गुरुवार को म्यूनिख में उन्होंने क्वालिफिकेशन में हमेशा की तरह सशक्त और स्थिर प्रदर्शन करते हुए नीलिंग (197), प्रोन (199) और स्टैंडिंग (196) में शानदार स्कोर किए और कुल 592 के स्कोर के साथ शीर्ष खिलाड़ियों के बीच दूसरा स्थान हासिल किया।

फ्रांस की अगाथे गिरार्ड ने समान 592 के स्कोर पर ज्यादा इनर 10 के आधार पर पहला स्थान हासिल किया। वहीं ओलंपिक चैंपियन स्विट्जरलैंड की चियारा लियोन और भारत की आशी चौकसे फाइनल में जगह नहीं बना पाईं — आशी ने 589 के स्कोर के साथ नौवां स्थान हासिल किया 3पी स्पर्धा में स्टैंडिंग स्थिति में सशक्त प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली सिफ्त ने प्रोन की दूसरी 15-शॉट सीरीज के बाद चौथा स्थान हासिल किया था, जब वह पेरिस की रजत पदक विजेता सैगन मैडलेना से पीछे थीं।

डुएस्टाड और एमिली के बीच स्वर्ण और रजत पदक के लिए मुकाबला शुरुआत से ही स्पष्ट था। इसके बाद स्टैंडिंग की पहली सीरीज में सैगन लड़खड़ा गईं, और सिफ्त ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए तीसरे स्थान पर जगह बना ली, जिसे उन्होंने सटीक और निरंतर स्कोरिंग के साथ 44वीं शॉट तक कायम रखा - जहां उन्होंने कई बार हल्के से लेकर मिड और हाई 10 स्कोर किए। शुक्रवार, प्रतियोगिता के चौथे दिन, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल प्रस्तावित हैं।

कमिंस की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका 138 पर ढेर

- कमिंस ने 181 ओवर में 28 रन देकर छह विकेट लिए और 300 टेस्ट विकेट भी पूरे कर लिए

डब्ल्यूटीसी फाइनल

लंदन, 12 जून (एजेंसिसयां)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 28 रन पर छह विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को पांच दिवसीय 2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दूसरे दिन गुरुवार को लंच के बाद 138 रन पर ढेर कर दिया और पहली पारी में 74 रन की बढ़त हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका लंच तक 49 ओवर में 121/5 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था लेकिन लंच के बाद उसने 17 रन जोड़कर शेष पांच विकेट गंवा दिए। कमिंस ने 181 ओवर में 28 रन देकर छह विकेट लिए और 300 टेस्ट विकेट भी पूरे कर लिए। मिचेल स्टार्क को 41 रन पर दो और जोश हेजलवुड को 27 रन पर एक विकेट मिला। कमिंस ने लंच के बाद पांच में से चार विकेट निकाले जबकि केशव महराज रन आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के लिए सुबह का सत्र अच्छा रहा था लेकिन दूसरे सत्र में कहानी पूरी तरह बदल गई। 43/4 से आगे खेलते हुए, दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में 78 रन जोड़े, जिसमें कमिंस ने अपने प्रोटियाज समकक्ष टेम्बा बावुमा को आउट किया। लंच के समय 39 रन पर नाबाद डेविड बेडिंघम 45 रन बनाकर कमिंस का शिकार बन गए। बेडिंघम ने 111 गेंदों पर छह चौके लगाए।

पोंटिंग ने की ब्यू वेबस्टर की सराहना

लंदन। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने ब्यू वेबस्टर की प्रशंसा की है। वेबस्टर ने लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पहली पारी में टीम के लिए 72 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी पारी की वजह से ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका के सामने पहली पारी में 212 रनों तक पहुंच सकी। वेबस्टर ने इस वर्ष की शुरुआत में भारत के खिलाफ सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निर्णायक टेस्ट मैच में डेब्यू किया था। दक्षिण अफ्रीका के सामने इस खिलाड़ी ने 92 गेंदों पर 72 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में यह किसी भी बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर था। खिलाड़ी के इस प्रदर्शन को पूर्व कप्तान पोंटिंग ने सराहा है। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के बाद, आईसीसी डिजिटल से बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि आप उन रनों को हटा दें, तो स्कोरकार्ड बिल्कुल अलग दिखता है।

पोंटिंग ने रबाडा और यानसन जमकर तारीफ की

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और मार्को यानसन की शानदार तेज गेंदबाजी जोड़ी की जमकर तारीफ की। इन दोनों तेज गेंदबाजों ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टेस्ट में मिलकर आठ विकेट चटकाए, जिसमें रबाडा ने खास तौर पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, उन्होंने टेस्ट मैचों में 17वीं बार पांच विकेट चटकाए और एक बार फिर लंदन के प्रतिष्ठित मैदान पर प्रसिद्ध ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया। पोंटिंग रबाडा और यानसन के प्रयासों से प्रभावित हैं।

एलन डोनाल्ड से आगे निकले रबाडा

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में पांच विकेट लेकर पूर्व क्रिकेटर एलन डोनाल्ड से आगे निकल गए हैं। साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने की लिस्ट में शामिल होने पर रबाडा ने कहा कि महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने पर विशेष गर्व महसूस करते हैं। रबाडा ने लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन के साथ ही उनके नाम 332 टेस्ट विकेट हो गए हैं, जिससे वे एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़कर दक्षिण अफ्रीका के सर्वकालिक विकेटों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे केवल डेल स्टेन, शॉन पोलक और मखाया नतिनी ही हैं।

सार संक्षेप

आयुष बदौनी के शतक से कोलाज ग्रुप सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। आयुष बदौनी (132) के तूफानी शतक से कोलाज ग्रुप ने एलबी शास्त्री क्रिकेट क्लब को आसानी से हराकर 50वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (रजि.) के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेंट स्टीफंस क्रिकेट ग्राउंड, पर गुरुवार को तीसरे क्वार्टरफाइनल में कोलाज ग्रुप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। एलबी शास्त्री क्लब ने 20 ओवर में 208/3 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। नितीश राणा ने शानदार 80 रन (60 गेंदों में) बनाए जिसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल थे। हितेन दलाल ने तूफानी अंदाज में 78 रन (38 गेंदों में) बनाए जिसमें 4 चौके और 8 छक्के शामिल थे। कोलाज ग्रुप की तरफ से अरुण चपराणा ने 2 विकेट 26 रन देकर लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बदौनी ने चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए मात्र 46 गेंदों में 132 रन ठोक डाले।

एमपीएल टी-20 का दूसरा सीजन ग्वालियर में शुरू

ग्वालियर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 का दूसरा संस्करण ग्वालियर में 12 जून से 24 जून तक श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हो चुका है। कमेंट्री पैनल की घोषणा के साथ ही रोमांच और बढ़ गया है, जो टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टूर्नामेंट को कवर करेगा। कमेंट्री पैनल का नेतृत्व पद्मश्री सुशील दोशी कर रहे हैं, जो इंदौर के प्रतिष्ठित हिंदी कमेंटेटर हैं, जिनकी आवाज दशकों से भारतीय क्रिकेट का पर्याय रही है। उनके साथ भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और मध्य प्रदेश क्रिकेट जगत में एक सम्मानित व्यक्ति अमय खुरासिया भी शामिल हैं। पैनल में भारतीय महिला टीम की पूर्व ऑलराउंडर और खेल में एक नियमित आवाज रीमा मल्होत्रा भी शामिल हैं। सुहास वेधम अपनी मजाकिया और आकर्षक शैली के साथ-साथ सभी प्रारूपों में ज्ञानवर्धक कमेंट्री के लिए खेल प्रसारण में एक प्रमुख नाम हैं, जो पैनल में गहराई जोड़ते हैं।

रोमानिया ने विश्व कप क्वालीफायर में साइप्रस को 2-0 से हराया

बुखारेस्ट। रोमानिया ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के ग्रुप एच में बुखारेस्ट के नेशनल एरिना में साइप्रस पर 2-0 से जीत हासिल की। पहले हाफ में फ्लोरिन तानसे और डेनिस मैन के गोल ने रोमानिया की जीत को आसान बना दिया। वह ग्रुप में शीर्ष स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है। तानसे ने 43वें मिनट में मैन द्वारा शुरू किए गए तेज जवाबी हमले के बाद स्कोरिंग खोली। हाफटाइम से ठीक पहले, मैन ने डेनिस ड्रैगस के साथ एक शांत फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। रोमानिया ने शुरुआती मौके बनाए, जिसमें मिहाई पोपेस्कु द्वारा एक नजदीकी प्रयास और मैन द्वारा एक लंबी दूरी का शॉट शामिल था, दोनों को साइप्रस के गोलकीपर जोएल मॉल ने बचा लिया। कुछ रक्षात्मक चूकों के बावजूद, रोमानिया ने क्लीन शीट बनाए रखी, गोलकीपर स्टीफन मोल्दोवन ने साइप्रस को रोकने के लिए महत्वपूर्ण बचाव किए।

निकितेंको ने पाइचाद्जे को हराया, अभिजीत गुप्ता की बराबरी पर पहुंचे

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। बेलारूसी ग्रैंडमास्टर मिहेल निकितेंको ने 21वें दिल्ली इंटरनेशनल ओपन ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट (दिल्ली जीएम ओपन) 2025 के राउंड 8 में जॉर्जियाई जीएम लुका पाइचाद्जे को हराकर लीडरबोर्ड में अभिजीत गुप्ता के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। कैटेगरी ए में अब केवल दो राउंड बचे हैं, निकितेंको और गुप्ता दोनों ही सात-सात अंकों के साथ प्रतियोगिता में सबसे आगे हैं। 21वां दिल्ली जीएम ओपन एशिया का प्रमुख ओपन शतरंज टूर्नामेंट बना हुआ है, जिसमें 24 ग्रैंडमास्टर्स सहित 20 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 1.21 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि है और यह भारत के शतरंज कैलेंडर का आधार बना हुआ है। अब तक एकमात्र लीडर गुप्ता, जो दिल्ली जीएम ओपन के तीन बार के पूर्व चैंपियन हैं - प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक का एक बेजोड़ रिकॉर्ड - बुधवार को शीर्ष बोर्ड पर अर्मेनियाई जीएम मैनुअल पेट्रोसियन से भिड़े, जिसका लक्ष्य अपने अंकों में इजाफा करना था। हालांकि, इस कठिन मुकाबले में, जिसमें दोनों ने बढ़त हासिल करने के प्रयास में बार-बार मुकाबला किया, ड्रॉ हो गया, जिससे उनके अंकों में आधा अंक जुड़ गया।

दिल्ली जीएम ओपन

- 24 ग्रैंडमास्टर्स सहित 20 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चोटिल शुचि की जगह राधा यादव शामिल

- शुचि ने पिछले महीने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। ऑलराउंडर राधा यादव इस महीने के अंत में शुरू होने वाले इंग्लैंड के आगामी व्हाइट-बॉल दौरे के लिए भारतीय महिला टीम में चोटिल शुचि उपाध्याय की जगह लेंगी। भारत इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलेगा, जिसमें नैट साइवर-ब्रंट और चार्लोट एडवर्ड्स के रूप में नए कप्तान और मुख्य कोच हैं।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि महिला चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शुचि उपाध्याय की जगह राधा यादव को शामिल किया है। इसमें कहा गया, शुचि को बाएं पिंडली में चोट लगने के कारण दौरे से बाहर कर दिया गया था, जिसका निदान बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में दौरे से पहले शिविर के दौरान किया गया था। शुचि श्री चरणी और क्रांति गौड़ के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चुनी गई तीन नई खिलाड़ियों में शामिल थीं। उन्होंने पिछले महीने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया, जो भारत की ओर से उनका एकमात्र मैच है। दौरे के लिए भारत की टीम की घोषणा में शेफाली वर्मा को मुख्य भूमिका में रखा गया, जिन्होंने भारत की टी20 टीम में वापसी की। हालांकि शेफाली को दौरे के केवल टी20 चरण के लिए चुना गया था, लेकिन तेज गेंदबाज सयाली सतघरे ने दोनों टीमों में जगह बनाई, जिससे रेणुका सिंह ठाकुर और तीतास साधु की चोटों के कारण कम हुए भारत के तेज गेंदबाजी स्टॉक में कुछ मजबूती आई।

एमबापे, मैसी और रामोस क्लब विश्व कप के लिए तैयार

- अमेरिका के 11 शहरों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की 32 टीमें हिस्सा लेंगी

लंदन, 12 जून (एजेंसियां)। क्लब विश्व कप का आयोजन इस साल पहले से कहीं बड़ा होगा, जिसमें फुटबॉल के सबसे बड़े नाम शामिल होंगे। अमेरिका के 11 शहरों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की 32 टीमें हिस्सा लेंगी। महीने भर चलने वाला यह मुकाबला 15 जून से शुरू होगा और 13 जुलाई को समाप्त होगा। आठ बार बैलन डी ओर जीतने वाले लियोनेल मेस्सी इंटर मियामी में बार्सिलोना के पूर्व खिलाड़ियों की एक शानदार चौकड़ी का हिस्सा हैं, जिसमें लिवरपूल के पूर्व स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़, मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स और लेफ्ट-बैक जोर्डी अल्बा शामिल हैं। 2010 में स्पेन के साथ विश्व कप विजेता टीम के सदस्य डिफेंडर सर्जियो रामोस मैक्सिकन टीम मॉन्टेरी के कप्तान हैं, जबकि स्ट्राइकर ओलिवर गिरौद और गोलकीपर ह्यूगो लोरिस लॉस एंजिल्स एफसी की टीम में हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व कप विजेता किलियन एमबाप्पे और एंटोनी ग्रिज़मैन क्रमश: रियल मैड्रिड और एटलेटिको मैड्रिड की टीमों में हैं। मैनचेस्टर सिटी ने अपनी टीम में तिजानी रेइंडर्स, रेयान ऐट-नूरी, मार्कस बेटिनेली और रेयान चेर्की को चुना है, जबकि चेल्सी के लियाम डेलाप, डारियो एस्सुगो और मामादौ सार भी शामिल होंगे। मध्य-टूर्नामेंट पंजीकरण विंडो के भाग के रूप में, 27 जून से 3 जुलाई के बीच, क्लब दो अतिरिक्त खिलाड़ियों को जोड़ सकते हैं, जिससे उनकी टीम का आकार संभावित रूप से 35 से 37 तक हो सकता है। टीम में अधिकतम छह बदलाव किए जा सकते हैं।

मेहदी हसन को सौंपी गई बांग्लादेश की कमान

- राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं : मेहदी हसन मिराज

ढाका, 12 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अगले 12 महीनों के लिए ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को पुरुष वनडे इंटरनेशनल (वनडे) टीम का कप्तान नियुक्त किया है। 27 वर्षीय मिराज अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से टीम की कमान संभालेंगे और नजमुल हुसैन शांतो की जगह लेंगे। बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले मिराज ने पहले ही नेतृत्व की जिम्मेदारियों का अनुभव कर लिया है, शांतो की अनुपस्थिति में उन्होंने चार वनडे मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की है। शीर्ष पद पर उनकी औपचारिक पदोन्नति अब उनकी निरंतरता, परिपक्वता और नेतृत्व क्षमताओं में बोर्ड के विश्वास को दर्शाती है। घोषणा के बाद मिराज ने कहा कि राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस समूह पर पूरा भरोसा है - हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने के लिए कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में वनडे ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर काबिज मिराज ने 105 वनडे मैचों में 1617 रन और 110 विकेट हासिल किए हैं। वह बांग्लादेशी खिलाड़ियों के एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए हैं-मोहम्मद रफीक, मशरफे मुर्तजा और शाकिब अल हसन जैसे दिग्गजों के साथ - जिन्होंने वनडे में 1000 रन और 100 विकेट का डबल पूरा किया है। बीसीबी क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल अबेदीन ने नियुक्ति की प्रशंसा की, निर्णय के पीछे मिराज के कौशल, स्वभाव और टीम पर प्रभाव के संतुलन को मुख्य कारण बताया। अबेदीन ने कहा कि मिराज ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में एक जुझारू भावना और संक्रामक ऊर्जा लेकर आए हैं।

रूसी जिमनास्ट अंतरराष्ट्रीय खेलों में वापसी करेंगे : खेल महासंघ

मॉस्को, 12 जून (एजेंसियां)। रूसी जिमनास्ट और जज तटस्थ प्रतिभागियों के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वापसी करेंगे। स्थानीय मीडिया ने रूसी जिमनास्टिक महासंघ का हवाला देते हुए यह रिपोर्ट दी है। बुधवार को तास समाचार एजेंसी के जरिये महासंघ के एक बयान के अनुसार, रूसी एथलीट और जज अंतरराष्ट्रीय जिमनास्टिक प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर सकेंगे। उन्होने कहा कि रूसी एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय खेलों में पूर्ण रूप से भागीदारी फिर से शुरू करने के लिए प्रयास जारी हैं। गौरतलब है कि मार्च 2022 में, अंतर्राष्ट्रीय जिमनास्टिक महासंघ (एफआईजी) ने रूसी और बेलारूसी जिमनास्टिक को अपने टूर्नामेंटों से निलंबित कर दिया था।

सार समाचार

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में अभ्यास वर्ग आयोजित

सिरोंज, देशबन्धु। विद्या भारती की योजना अनुसार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लिंक रोड सिरोंज में आज आचार्य अभ्यास वर्ग के तृतीय दिवस में मॉ सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया गया। अतिथि परिचय विद्यालय प्राचार्य श्री संजय पाराशर द्वारा किया गया । वर्ग के प्रथम संवाद सत्र में मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित राजेंद्र खोड़के ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं संघ के विभिन्न संघटन विषय पर विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि काल के प्रवाह में राष्ट्र जीवन आए अनेक दोषों को दूर कर एक संगठित, चारित्र्यसंपन्न और सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में भारत को परम वैभव तक ले जाने हेतु डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने सन 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य प्रारम्भ किया। शुभारंभ अवसर पर विद्यालय संचालन समिति के सचिव नरेन्द्र सिंह दांगी, सदस्य डॉ. हर्षवर्धन शर्मा उपस्थित रहे। वर्ग के द्वितीय सत्र में सभी आचार्य दीदी को स्टेज के अनुसार प्रभावी शिक्षा पर आधारित शिक्षण, तृतीय एवं चतुर्थ सत्र विमर्श सत्र रहा। पंचम सत्र अभिव्यक्ति सत्र रहा, जिसमें आचार्यो ने अपनी अभिव्यक्ति दी। शांतिमंत्र के साथ वर्ग के तृतीयय दिवस का समापन हुआ।

जमीन का कब्जा न मिलने पर तनाव में होने का आरोप

किसान की मौत से गुस्साए परिजन, शव लेकर पहुंचे एसडीएम कार्यालय

गंजबासौदा, देशबन्धु। मुहासा गांव का एक किसान हाईकोर्ट से अपनी जमीन का मामला जीत गया था, लेकिन जमीन के कब्जे के लिए वह त्योंदा और बासौदा तहसील के चक्कर काट रहा था। बुधवार रात को सीने में दर्द उठा और किसान की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार त्योंदा तहसील के मुहासा गांव में बुधवार रात 48 वर्षीय किसान अवध नारायण मीणा की मौत हो गई। इसके बाद परिजन गुरुवार को उनका शव लेकर गंजबासौदा एसडीएम कार्यालय पहुंचे। मृतक के पुत्र विकास मीणा ने बताया कि उनकी 10 बीघा जमीन पर गांव के रामकिशन मीणा ने कब्जा कर लिया था। इस मामले में 2013 से हाईकोर्ट में केस चल रहा था। 6 महीने पहले हमारी जीत हुई, लेकिन त्योंदा तहसील और बासौदा एसडीएम कार्यालय के कई चक्कर लगाने के बावजूद जमीन का कब्जा नहीं मिला। इसके चलते अवध नारायण परेशान रहते थे और तनाव में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सतर्क हो गया। सुरक्षा के मद्देनजर गंजबासौदा और त्योंदा थाने की पुलिस को तहसील परिसर में तैनात किया गया। एसडीएम विजय राय ने परिजनों से मुलाकात कर शिकायत के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया है। मृतक के परिजनों ने मुहासा क्षेत्र के पटवारी पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि पटवारी ने न केवल उनकी समस्या को नजर अंदाज किया, बल्कि अभद्रता से पेश आईं और अनावश्यक परेशान किया। त्योंदा तहसीलदार अवधेश यादव का कहना है कि किसान की प्राकृतिक मौत हुई है। जमीन विवाद के मामले में 6 महीने पहले ही कब्जा सौंप दिया गया था। एसडीएम ने पुलिस अधिकारियों और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द इस मामले का समाधान करें।

छात्रा से छेड़छाड़ करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

गंजबासौदा, देशबन्धु। एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपित देव जनवरी से पीड़िता को परेशान कर रहा था। वह पीड़िता के घर के सामने रहता है।

आरोपी स्कूल जाते समय छात्रा का रास्ता रोककर अश्लील बातें करता था। फरवरी में उसने पीड़िता का फोन छीनकर अपना नंबर डाल दिया। उसने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उससे बात नहीं की तो उसके भाई और पिता को जान से मार देगा। अप्रैल में आरोपी ने पीड़िता पर संबंध बनाने का दबाव डाला। उसने खुद को पुलिस अधिकारी का बेटा और पत्रकार का बेटा बताया। पीड़िता के परिवार को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। परेशान होकर पीड़िता ने 10 जून को अपने पिता को सारी बात बताई। शिकायत के बाद थाने में दोनों आरोपितों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया गया। इसके बाद देव रघुवंशी और दूसरा आरोपित शोएब कुरैशी स्कार्पियो से पीड़िता के घर पहुंचे। दोनों ने गाली गलौंच की और पीड़िता की बदनाम करने की धमकी दी। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने 11 जून को दोनों आरोपितों को पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में गिरफ्तार किया है।

किसान संघ कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

सिरोंज, देशबन्धु। अनंतश्री गार्डन सिरोंज में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग पांच सत्रों में प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम इकाई के कार्यकर्ताओं को किसान संघ की कार्य पद्धति रीति नीति ग्राम समिति के नियमित कार्य,पंच परिवर्तन, आंदोलन आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ग में उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी द्वारा कार्यकर्ताओं को ग्राम समिति के नियमित कार्य एवं किसानों को जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करने के विषय में बताया गया। प्रांत मंत्री दिनेश दुबे एवं अन्य वक्ताओं ने कार्यकर्ता निर्माण एवं किसान को स्वाबलंबी बनाकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण वर्ग में 30 गांव के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।अन्य सत्रों में संभाग अध्यक्ष बिशन सिंह जी बघेल , एवं जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन ने संगठन की रीति नीति के बारे में बताया जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी एवं जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव के द्वारा संगठन की कार्य पद्धति एवं ग्राम समिति के नियमित कार्यों का विषय रखा। सिरोंज तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पालीवाल , लटेरी तहसील अध्यक्ष चंद्रभान सिंह बघेल ने आभार व्यक्त किया एवं तहसील मंत्री सुरेंद्र सिंह बघेल, सुनील बघेल के द्वारा संचालन किया गया। कार्यक्रम में संभाग सह मंत्री अशोक शर्मा जिला कार्यकारिणी से अमृत सिंह रघुवंशी सदस्य चंद्रशेखर माथुर,दीपक धाकड़, मनोहर राजपूत, चरणसिंह राजपूत तहसील कार्यकारिणी आदि मौजूद रहे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

गंजबासौदा, देशबन्धु। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में ग्राम हथौड़ा में एक महत्वपूर्ण विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बच्चों के कानूनी अधिकारों के बारे में आमजन को शिक्षित करना था।

इस आयोजन में सामाजिक संस्था रुद्राक्ष ह्यूमन वेलफेयर सोसायटी और सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पेशन ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश विमलेश मुडैया ने अपने उद्बोधन में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानव तस्करी और बलपूर्वक श्रम करवाने पर प्रतिबंध हेतु आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। न्यायाधीश मुडैया ने बच्चों और उपस्थित ग्रामीण जनों को बालश्रम, बंधुआ मजदूरी, शिक्षा का अधिकार, चिकित्सा का अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता, संविधान के मूलभूत अधिकार और मूल कर्तव्य जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 के साथ-साथ बच्चों को दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण और भेदभाव से सुरक्षा संबंधी कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने नालसा बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएँ योजना 2015 और नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएँ योजना 2015 जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में भी बताया। जो बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें कानूनी सहायता प्रदान करने में सहायक हैं। इस अवसर पर अधिवक्ता संजीव अरोरा, शेरसिंह यादव, सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल कादिर, अंकित शर्मा, पंचायत सचिव अविनाश शर्मा, कार्यकर्ता सविता रघुवंशी, सरपंच नवलसिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस शिविर ने बाल श्रम के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

टीका लगने के बाद बिगड़ी बच्चे की तबियत, अस्पताल में हो गई मौत

पलेरा, देशबन्धु। नगर के वार्ड क्रमांक 9 इलाके में टीकाकरण के बाद 3 महीने के एक बच्चे की तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने पर परिजन इलाज के लिए उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

पलेरा थाना पुलिस के मुताबिक हरप्रसाद पिता अच्छेलाल चढ़ार (35) निवासी पलेरा वार्ड क्रमांक 9 में रहते हैं। जिन्होंने करीब 8 दिन पहले अपने 3 माह के बच्चे प्रकाश चढ़ार को वार्ड क्रमांक 9 आंगनबाड़ी केंद्र पर टीका लगवाया था। बताया गया है कि टीकाकरण के कुछ देर बाद तबीयत खराब होने पर 3 माह के शिशु प्रकाश चढ़ार को लेकर वह आंगनबाड़ी केंद्र लेकर पहुंचे। बच्चे को तेज बुखार के साथ उसके शरीर पर फोड़े पड़े हुए थे। आंगनबाड़ी केंद्र से उसे बच्चों को पिलाने के लिए एक सिरप भी दिया गया था। जिसका इस्तेमाल 8 दिनों तक अपने घर में बच्चों के लिए करता रहा। पुलिस ने बताया कि परिजनों के अनुसार अचानक बीते बुधवार को दोपहर 1 बजे के लगभग 3 माह के शिशु प्रकाश चढ़ार की तबीयत अचानक खराब हो गई। उसका सिर लटकने लगा और वह बेहोश हो गया। इसके बाद परिवारजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद थाने में शिकायत करते हुए परिजनों ने कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हमेशा सकारात्मक सोच रखो नकारात्मक सोच नहीं : आर्यिका विदिता श्रीजी

आष्टा, देशबन्धु। पुरुषार्थ करने पर हमारे में छुपे हुए गुण प्रकट होते हैं। हमने पुरुषार्थ किया तो हम माताजी बन गई,आप भी पुरुषार्थ कर मुनिराज बनों।जानने की इच्छा को ज्ञान कहते हैं।जो जानता है, देखते हैं वह जीव है। ज्ञान और दर्शन हर व्यक्ति में है और इसे जिसने जान लिया वह चारित्र, आचरण में आते हैं।

आपने बहुत शास्त्रों को पढ़ा लेकिन आपको उसे प्रकट करने का तरीका नहीं आता है, अभिव्यक्ति नहीं है। हमेशा सकारात्मक सोच रखें नकारात्मक नहीं। सकारात्मक सोच से सब अच्छा ही होगा। यह बातें श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर पर गणाचार्य विराग सागर की सुयोग्य शिष्या आर्यिका रत्नी 105 श्री विदिता माता ने आशीष वचन देते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि अरिहंत भगवान की प्रतिमा पर चिन्ह रहता है। श्रीवस्त्र का चिन्ह होता है ,सीने पर 4 पंखुड़ियां रहती है। हमने अनेकांत धर्म में जन्म लिया है। व्यवहारिकता में जन्म लिया है।शुभ उपयोग में स्थिर होना अपने हाथों में है। सिद्धोपयोग अपने हाथों में नहीं है।आर्यिका विदिता श्रीजी ने कहा कि हम शुभ उपयोग में जी रहे हैं, तभी शुभ उपयोग होगा। मंदिर में आने पर शत प्रतिशत शुभ उपयोग होगा,अशुभ उपयोग में नहीं।आप अपने भाव हमेशा अच्छे रखें।शंकलेष रखकर भी आप शुभ उपयोग कर रहे हैं। प्रतिमा योग दृढ़ मजबूत नहीं होगा तब तक आपका कल्याण नहीं।

कर्मों को संभालने के लिए प्रतिमा योग मजबूत होना चाहिए।सीता ने राम के कहने पर अग्नि परीक्षा अपने दृढ़ संकल्प के साथ दी। आचार्य विराग सागर मुनिराज ने 44 साल की साधना में साढ़े 5 सौ को दीक्षा दी। नियम बहुत ही सोच समझकर लेवें, उनका पालन करें, विशेष परिस्थितियों की छूट, लेकिन आगम के विरुद्ध छूट नहीं रखें। अपने नियम, संयम का पालन करें। जैन धर्म बहुत ही पवित्र और पावन है,इसे समझने का प्रयास करें।

आगामी कार्यक्रम यथावत रहेंगे

विमान दुर्घटना के कारण कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान स्थगित

सीहोर, देशबन्धु। सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मप्र कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान 13 जून को सीहोर जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाला था, परन्तु अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना का दुखद समाचार मिलते ही यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। आगामी कार्यक्रम यथावत रहेगें जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं सीहोर जिले के केन्द्रीय पर्यवेक्षक डॉ. सिरिविल्ला प्रसाद, पूर्व मंत्री नरेंद्र नहाटा, श्रीमती जयश्री हरिकरण, पवन पटेल 7 दिवसीय दौरे पर सीहोर जिले में रहेंगे।

संगठन सृजन अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा के साथ बैठक अयोजित की जावेगी, जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष गण, पूर्व विधायक गण, पूर्व जिलाकांग्रेस अध्यक्ष गण, मोर्चा संगठन, विभाग, प्रवक्ता के अध्यक्ष गण, वरिष्ठ नेता गण, कांग्रेस पदाधिकारी गणों सहित युवा कांग्रेस, एन एस यू आइ, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, अल्पसंख्यक, एसटी, एससी प्रकोष्ठ सहित सभी विभाग एवं प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण, कांग्रेस समर्थित जनप्रतिनिधि की उपस्थिति रहेगी। दिनांक 14 जून 2025 को सीहोर विधानसभा, 15 जून 2025 बुधनी विधानसभा, 16 जून 2025 आष्टा विधानसभा एवं दिनांक 17 जून 2025 को इछावर विधानसभा क्षेत्र में बैठक आयोजित होगी।

कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करते हुए कांग्रेस संगठन सक्रिय हो गया है। संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए अब पार्टी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने पर जोर दे रही है। इस प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने 165 ऑब्जर्वर्स नियुक्त किए हैं। ये सभी ऑब्जर्वर्स राज्य के 55 जिलों में जाकर वहां की संगठनात्मक स्थिति का जायजा लेंगे।

विधायक से धर्मशाला निर्माण के लिए मिला रैकवार समाज का प्रतिनिधि मंडल

गंजबासौदा, देशबन्धु। धर्मशाला निर्माण के लिए रैकवार समाज के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक हरि सिंह रघुवंशी से मुलाकात की और उनसे समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए विधायक निधि से राशि उपलब्ध कराने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि समाज के पास अपनी कोई धर्मशाला नहीं है, जहां सामाजिक और वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें।

समाज के अधिकतर लोग गरीब और मजदूर वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। इसलिए समाज के हित में धर्मशाला निर्माण के लिए राशि स्वीकृत करना आवश्यक है। विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने प्रतिनिधि मंडल से चर्चा करने के बाद विधायक निधि से 5 लाख रुपए की राशि धर्मशाला निर्माण के लिए स्वीकृत करने की घोषणा की। इस अवसर पर रैकवार समाज के कई सदस्य मौजूद थे। जिनमें राजू रैकवार, श्रीराम रैकवार, नंदकिशोर रैकवार, राजा रैकवार, गनपत रैकवार, नंदा रैकवार, किशोरी रैकवार, सुशील रैकवार, विक्की रैकवार और हरिराम रैकवार शामिल थे। इन सदस्यों ने विधायक हरि सिंह रघुवंशी का आभार व्यक्त किया और उनके इस निर्णय को समाज के लिए एक बड़ा सहयोग बताया। विधायक की इस पहल से रैकवार समाज को अपनी धर्मशाला मिल सकेगी। जहां वे अपने सामाजिक और वैवाहिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकेंगे।

हमारा शहर उत्सव प्रिय : कैलाश परमार

आष्टा, देशबन्धु। धार्मिक क्षेत्र में हमारा शहर सदैव सुर्खियों में रहा है । हमारी अटूट श्रद्धा और धर्म तथा संस्कृति के प्रति जागरुकता की प्रशंसा संतो के श्रीमुख से पूरे देश मे होती है । इसकॉन भी अब नगर की सांस्कृतिक परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए जगन्नाथ रथयात्रा जैसे आयोजन कर रहा है यह गौरव की बात है । पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने इसकॉन से जुड़े पदाधिकारियों का अपने कार्यालय में स्वागत करते हुए यह बात कही। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ इसकॉन द्वारा नगर में 3 जुलाई को श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया गया है । भगवान श्री कृष्ण की भक्ति को बढ़ावा देने के लिए समूचे विश्व में हरे कृष्ण आंदोलन के रूप में प्रसारित इस संस्था की स्थानीय इकाई का गठन नगर में विगत वर्ष किया गया था। संस्था द्वारा 3 जुलाई को आयोजित रथयात्रा के लिए बैनर और पम्पलेट के जरिये प्रचार प्रसार करते हुए शहरवासियों सहित गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है । संस्था के कार्यकर्ता इसी सिलसिले में पूर्व नपाध्यक्ष तथा स्वामी अवधेशानन्द गिरि द्वारा स्थापित प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक कैलाश परमार को भी आमंत्रित करने पहुंचे तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में परमार के दीर्घानुभव के चलते आयोजन संबंधी मंत्रणा की।

प्रशासन ने ठानी, नगर होगा अतिक्रमणमुक्त

अतिक्रमण हटाओ मुहिम जारी, नपा ने जप्त की सामग्री

आष्टा, देशबन्धु। नगर के इतिहास में पहली बार नगर अतिक्रमण मुक्त होते जा रहा है। पिछले 15 दिन से लगातार एसडीएम के निर्देश पर सीएमओ राजेश सक्सेना अपनी टीम के साथ नगर के सभी रोड मोहल्ले अलीपुर सहित अब बाईपास इंदौर हाइवे रोड को अतिक्रमण मुक्त कर व्यवस्था बनाने मे लगे हुए हैं। प्रशासन इस बार अतिक्रमण हटाने मे शत-प्रतिशत कामयाब हो चुका है। बगैर राजनैतिक दबाव के चलते नगर अब अतिक्रमणमुक्त होने के साथ रोड गलियां सुंदर दिखने लगी है।

अतिक्रमणकर्ताओं को इस बार प्रशासन का ताकत का एहसास भी हो चुका है। प्रशासन ने बगैर भेदभाव के राजनीतिक नेता जनप्रतिनिधी एवं शहर में बड़ा रूतबा रखने वाले का भी अतिक्रमण तोड़कर शहर में एक अच्छा संदेश दिया। क्योकि इससे पहले गरीब और छोटे दुकानदारों का ही अतिक्रमण टूटता आ रहा है। लेकिन इस बार प्रशासन ने जो अतिक्रमण मुहिम चलाई। उसमे बगैर भेदभाव के संपूर्ण अतिक्रमण हटाया गया। साथ में सीएमओ राजेश सक्सेना द्वारा कुछ चिहिंत अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस देकर समय सीमा में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए जा रहे है। हर साल बारिश के समय में अतिक्रमण होने के कारण जो समस्या आती है। वो अब नही आएगी। प्रशासन दोबारा अलीपुर पहुचा।

इससे पहले कुछ अतिक्रमण रोड पर पड़ी हुई रेत अन्य सामग्री को जब्त की जा चुकी है। और उन पर भारी भरकम जुर्माना भी किया जा चुका है। गुरूवार को पुनः नगरपालिका टीम अलीपुर जनपद पंचायत चौराहे पहुची। जहां रखी हुई आधे दर्जन से अधिक गुमठिया हटाई गई। इस बीच अतिक्रमणकर्ता और प्रशासन के बीच नोकझोक भी हुई। लेकिन अभियान लगातार जारी है। अभी कन्नौद रोड नई सब्जी मंडी और कुछ छूटा हुआ के साथ साथ कुछ लोग दोबारा अतिक्रमण सड़क पर लगाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें भी हटाया जाएगा। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जब तक कि नगर अतिक्रमण पूरी तरह से मुक्त न हो जाए।

इनका कहना है

– नगर अतिक्रमणमुक्त जब तक नहीं होगा । यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अतिक्रमण हटने से नगर की सुदंरता बढ़ेगी। साथ में दुर्घटना भी नहीं होगी।

आकाश उईकर,
प्रभारी सीएमओ

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

आदिवासी समाज के गौरव को पहनाई माला, धरती आबा को किया गया नमन

बैतूल, देशबन्धु। ब्रिटिश हुकूमत की क्रुरता के खिलाफ संघर्ष करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को आमला में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विजय पारधी ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम के दौरान विजय पारधी ने कहा कि बिरसा मुंडा स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ वह आदिवासी समाज के गौरव और अस्मिता के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने अल्प जीवन में ब्रिटिश सत्ता की नींव हिला दी थी। आज का युवा वर्ग उनसे प्रेरणा लेकर समाज और देशहित में कार्य करे, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, युवा नेता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर धरती आबा के आदर्शों को अपनाने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

नगर परिषद अध्यक्ष ने सांसद निधि के पानी के टैंकरों का किया पूजन

चिचोली, देशबन्धु। केंद्रीय राज्यमंत्री जनजाति कार्य मंत्री एवं बैतूल सांसद दुर्गा दास उईके जी की सांसद निधि से चिचोली नगर परिषद को दो पानी के टैंकर प्राप्त हुए। गुरुवार को नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती वर्षा रितेश मालवीय उपाध्यक्ष श्रीमती वर्षा संजय आंवलेकर ने भाजपा नेताओ की उपस्थिति मे सांसद निधि से प्राप्त पानी के टैंकरो का विधिवत पूजन कर नगर परिषद की नल जल शाखा को जलाआपूर्ति हेतु सौंपे। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल सिंह कुशवाहा पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष संतोष मालवीय पार्षद स्वरुप मोटू यादव, भाजपा नेता संजय आवलेकर, पार्षद जयप्रकाश,उर्फ पप्पू राठौर सहित सीएमओ सैयद आरिफ हुसैन भी मौजूद रहे।

पिता के निधन के 4 महीने बाद भी नहीं मिली सहायता, भटक रहा युवा

बैतूल, देशबन्धु। तहसील शाहपुर के ग्राम कछार जोडियामऊ निवासी रमेश पिता जगलु लोखडे ने कलेक्टर को आवेदन देकर अपने पिता की मृत्यु के बाद मिलने वाली सहायता राशि दिलवाने की मांग की है। रमेश ने अपने शिकायती आवेदन में बताया कि उनके पिता जगलु लोखडे की अचानक मृत्यु 8 फरवरी 2025 को हो गई थी। लेकिन अब तक शासन से मिलने वाली 5000 रुपये की सहायता राशि नहीं मिली है। रमेश ने कहा कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और इस सहायता राशि से कुछ राहत मिल सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि उनके पिता की मृत्यु के बाद मिलने वाली निर्धारित सहायता राशि उन्हें जल्द से जल्द दिलवाई जाए, ताकि वे परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा कर सकें। रमेश का कहना है कि उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेज भी जमा कर दिए हैं, इसके बावजूद उन्हें अब तक कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली है।

प्रभातपट्टन की ग्राम पंचायत गेहूंबारसा में प्रकृति ने मचाया तांडव, कहीं अनाज गीला तो कहीं सामान

आंधी से टीन उड़े, खपरे के छप्पर टूटे, कई घरों में नुकसान, महिला घायल

बैतूल, देशबन्धु। विकासखंड प्रभात पट्टन की ग्राम पंचायत गेहूं बारसा में विगत शाम तेज हवा और आंधी-बारिश ने जमकर कहर बरपाया। इस तूफान में कई ग्रामीणों के घरों की टीन उड़ गई और खपरे टूट गए। कुछ घरों में बारिश का पानी घुस गया, जिससे घर का अनाज और जरूरी सामान पूरी तरह गीला हो गया।

इस घटना में रामकिशोर अनघोरे की पत्नी सुनीति अनघोरे के सिर में गंभीर चोट आई, जिन्हें टांके लगाने पड़े। ग्रामीणों की इस परेशानी की जानकारी मिलते ही जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे पीडित परिवारों के बीच पहुंचीं और हर एक घर जाकर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने तुरंत एसडीएम मुलताई अनिता पटेल से मोबाइल पर चर्चा कर स्थिति से अवगत कराया और सभी पीड़ितों के नुकसान के आंकलन के लिए मौके पर तहसीलदार को भेजने की मांग की। एसडीएम ने शीघ्र ही तहसीलदार भेजकर सर्वे करवाने का आश्वासन दिया है।

उर्मिला गव्हाडे ने कहा कि जिन परिवारों को नुकसान हुआ है, उन्हें सरकार की तरफ से उचित सहायता राशि दिलवाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने रामकिशोर अनघोरे, संजय कावनपुरे, बंदरू सूर्यवंशी, पिंटू पडोले, सुरेश पाटिल, बाला सूर्यवंशी, मधु मालेवार, रमेश साहू, रामलाल सोनारे, संतोष डोगरपुरे, राजा कावनपुरे, कलावती इवने, गनेशी साहू, बंसी कुमरे, नंदों उइके सहित सभी पीडति ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी परेशानियों को सुना। इस दौरान उनके साथ रमेश गव्हाडे और लक्ष्मण कावनपुरे भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने शासन से शीघ्र सहायता दिलवाने की मांग की है ताकि वे फिर से अपने घरों की मरम्मत कर सकें और सामान्य जीवन शुरू कर सकें।

घायल बंदर के उपचार पर बोले एसडीओ : वन्य प्राणी नहीं, पूछना पड़ेगा

भैंसदेही, देशबन्धु। सावलमेंढा रेंज के खेड़ी-परतवाड़ा मुख्य मार्ग पर ग्राम चिचढाना के पास बाइक के सामने जंगली बंदर आने पर बाइक सवार दो युवक एवं बंदर घायल हो गए, जहां बाइक सवार उपचार के लिए पास ही ग्राम धाबा पहुचे जबकि बंदर सड़क किनारे ही घंटों तड़पता पड़ा रहा। मामले में भैंसदेही एसडीओ देवानंद पांडे का कहना है कि बंदर वन्य प्राणियों में नहीं आते है फिर भी उपचार हेतु उच्चाधिकारियों से चर्चा की जाएगी। इसकी जानकारी जैसे धाबा में हिन्दू संगठन कार्यकर्ताओं को लगी, उन्होंने तुरंत ही मौके पर पहुंचकर इसकी सूचना वन विभाग दी। फिर अपने निजी वाहन से उपचार हेतु बंदर को पशु चिकित्सालय सावलमेंढा लेकर पहुचे जहां प्रारंभिक उपचार किया गया। पशु चिकित्सालय सावलमेंढा में पदस्थ सर्जन आरती सलामे ने बताया कि बंदर के पिछले पैरों पर से बाइक का पहिया जाने से पिछले दोनों पैर कि हड्डियां टूट चुकी है, जिसका आपरेशन जबलपुर में ही हो पायेगा इस संबंध में वन विभाग के कर्मचारियों को बता दिया गया है। इस दौरान वनरक्षक सुनील वासुन्दे,रामू धूर्वे सहित कोमल वाघमारे,आशुतोष त्रिवेदी,आकाश जैन,हेमन्त सोनी ,वीरेन्द्र आहाके , संदीप धाडसे ,संजय देशमुख,सुनील मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 11 साल: पत्रकारवार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा-

आज का भारत न रूकने वाला, न ही झुकने वाला

बैतूल, देशबन्धु। भारत के राजनैतिक इतिहास में मोदी सरकार का कार्यकाल स्वर्णीम अक्षरों मे लिखा जाएगा बीते 11 वर्षो में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के 140 करोड लोगों में उम्मीद की किरण जगाई है। उनका कार्यकाल भारत के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखने वाला कार्यकाल के रूप में याद किया जाएगा। यह विचार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने मोदी सरकार के 11 साल पूर्ण होने के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में व्यक्त किए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डा.योगेश पंडाग्रे, जिला महामंत्री कमलेश सिंह, मीडिया प्रभारी सूर्यदीप त्रिवेदी उपस्थित थे।

आलोक शर्मा ने कहा कि अब तो देश की जनता भी कह रही है कि मोदी है तो मुमकिन है। क्योकि मोदी सरकार ने राजनीति की नई परिभाषा गढी है। मोदी सरकार राजनीति में पालिटिक्स आफ परफारमेंस लेकर आई है। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त निर्णय लेने में सक्षम हो रहा है। आतंकवादी हमले के जवाब में युद्व जैसी कार्यवाही होती है। यही वजह है कि ऑपरेशन सिंदूर का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्यवाही नही बल्कि हमारे संकल्प साहस और बदलते भारत की तस्वीर है। प्रधानमंत्री आवास के तहत गरीबो के लिए 4 करोड़ पक्के मकान बने है। 15 करोड घरो में पीने का पानी पहुंचा है। 12 करोड़ घरों में शौचालयो का निर्माण हुआ है जिससे माताओं बहनों का गरिमापूर्ण जीवन मिला है।

- देश के इतिहास में मोदी सरकार का कार्यकाल स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा : आलोक शर्मा

वृद्धाश्रम में आज सामाजिक जनकल्याण समिति करेगी भोजन वितरण

बैतूल, देशबन्धु। सामाजिक जनकल्याण समिति द्वारा शुक्रवार 13 जून को वृद्धजनों के लिए सेवा कार्य का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे उड़दन स्थित वृद्धजन सेवा केन्द्र मातोश्री सेवाधाम में संपन्न होगा। समिति अध्यक्ष सूरजलाल मंडलेकर ने बताया कि यह आयोजन समिति की सामाजिक सेवा भावना का प्रतीक है।

युवाओं को मिला प्रेरणादायक करियर मार्गदर्शन, अनुशासन पर रहा फोकस

कमांडो ग्रुप ने किया जिला स्तरीय अग्निवीर सैनिक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। कमांडो ग्रुप बैतूल द्वारा जिला स्तरीय अग्निवीर सैनिक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन ऑडिटोरियम में किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन अग्निवीर सैनिकों के सम्मान में आयोजित किया गया था जो पिछले वर्ष चयनित होकर अपनी ट्रेनिंग पूरी कर देश सेवा के लिए तैयार होकर लौटे हैं। इस अवसर पर युवा समाजसेवी जामवंत सिंह कुमरे सहित लगभग 300 युवा समारोह में सम्मिलित हुए, जिन्हें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा के साथ- साथ अपने करियर के लिए उचित मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। फिजिकल ट्रेनर पवन कुमार अहाके ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे ऑडिटोरियम से एक स्वागत रैली के माध्यम से होनी थी, लेकिन बारिश के कारण रैली को एक घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा। देशभक्ति के नारों के साथ अग्निवीर सैनिकों का भव्य स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे आर्मी एक्स-मैन अंतूलाल मर्सकोले ने युवाओं को भारतीय सेना की गरिमा और अनुशासन के महत्व पर प्रेरणादायक बातें बताई। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक पवन कुमार अहाके ने कहा कि अग्निवीर सैनिक चाहे ठंड हो या बारिश, हर परिस्थिति में देश की रक्षा में तैनात रहते हैं। कार्यक्रम के अंत में पवन कुमार अहाके ने आभार किया।

विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक कल होगी

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक 14 जून को दोपहर 12 बजे से कैंपेन हाउस लिंक रोड पर आयोजित की गई है। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन कार्यकारी अध्यक्ष बीपी धामोढे ने बताया कि बैठक में मध्य प्रदेश शासन एवं मंडल कंपनी द्वारा महंगाई राहत, लंबित भुगतानों, पेंशनर्स के साथ किए जा रहे भेदभाव के विरुद्ध आगामी निर्धारित प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर चर्चा करना, 8वे वेतन आयोग से संबंधित भ्रांति पर जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा उच्च न्यायालय में विचाराधीन कॉम्प्यूटेशन की अवधि से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी तथा प्रांतीय कार्यकारिणी की जबलपुर में 24 जून 2025 को निर्धारित बैठक में शाखा से प्रतिनिधि की सहभागिता एवं पेंशनर्स की अन्य समस्याओं पर चर्चा की जाएगी।

सुभाष वार्ड में पार्षद ने महिलाओं के साथ उठाई झाड़ू, पीपल चौराहे की गंदगी को किया साफ

बैतूल, देशबन्धु। सुभाष वार्ड क्रमांक 1 में स्वच्छता को लेकर एक सकारात्मक पहल की शुरुआत हुई है। वार्ड की पार्षद किरण खातरकर ने विधायक हेमंत खंडेलवाल की प्रेरणा से स्वच्छता अभियान की कमान संभालते हुए वार्डवासियों के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया। वार्ड के पीपल चौराहे पर फैली गंदगी को देखते हुए पार्षद के नेतृत्व में वार्ड की महिलाओं ने खुद झाड़ू उठाकर सफाई की और पूरे क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश दिया। इस स्वच्छता अभियान में बड़ी संख्या में महिलाएं और वार्डवासी शामिल हुए। अभियान के दौरान पार्षद किरण खातरकर ने बताया कि विधायक हेमंत खंडेलवाल की प्रेरणा से वार्ड में साप्ताहिक स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई है, जो निरंतर जारी रहेगा। स्वच्छता अभियान में वार्ड की प्रमुख महिलाएं निशा मेहरा, कविता बरसाकर, मुन्नी यादव, जमना महाजन, चंदा मोहबे, उर्मिला मवासे, लता परिहार, रेवती बिनझाडे, जमना चतुरकर शामिल रहीं। इनके साथ ही विनोद यादव, देवीनाथ लोखंडे, लक्ष्मीनारायण खातरकर, विशाल भौरासे, सफाई कर्मी गोविंद सांडे, पिंकी जावलकर, किशोर उईके, पवन वाडिवा, गुड्डी यादव समेत बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

चिंतनीय : अब भी अनसुनी है पुरुषों की आवाज ?

महिलाओं की सुरक्षा के कानून अब हथियार के रूप में हो रहे इस्तेमाल

भारतीय समाज में वर्षों से महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर कई कानून बनाए गए हैं। यह जरूरी भी था, क्योंकि लंबे समय तक महिलाएं शोषण और अन्याय का शिकार रही हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, इन कानूनों का इस्तेमाल कुछ मामलों में हथियार की तरह होने लगा। आज की सच्चाई यह है कि कई पुरुष ऐसे कानूनों के दुरुपयोग का शिकार हो रहे हैं, जहां उनके पास अपनी बेगुनाही साबित करने से पहले ही समाज उन्हें दोषी मान लेता है। हाल ही में इंदौर का चर्चित सोनम-राजा केस सुर्खियों में रहा। शादी के कुछ ही समय बाद राजा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाती है और आरोप उसकी पत्नी और उसके प्रेमी पर लगते हैं। यह हत्या एक भावनात्मक धोखे की त्रासदी है। सवाल यह है कि क्या समाज ने कभी इस घटना को उस गंभीरता से देखा, जैसी वह किसी महिला पीड़िता के मामले में देखता? यह कोई अकेला मामला नहीं है। हर साल हजारों पुरुष घरेलू हिंसा अधिनियम, दुराचार जैसे कानूनों के तहत झूठे मामलों में फंसाए जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े कहते हैं कि दहेज प्रकरण में दर्ज 80 प्रतिशत से अधिक मामलों में आरोपी दोषी साबित नहीं हुए। बावजूद इसके, आरोप लगते ही बिना जांच गिरफ्तारियां, थानों और कोर्ट-कचहरियों के चक्कर, और सबसे बड़ी सजा समाज की बेरुखी। ऐसे मामलों में पुरुष कानूनी उलझनों से जूझते हुए मानसिक रूप से टूट जाते हैं। अवसाद, आत्महत्या के विचार, सामाजिक बहिष्कार और परिवार के लोगों की बेइज्जती ये सब कुछ झेलना पड़ता है। **देश में आज भी पुरुषों की समस्याओं को लेकर एक राष्ट्रीय मंच नहीं है।** अब समय आ गया है जब इस एकतरफा सोच और कानून व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाए। यदि किसी महिला के झूठे आरोपों से कोई निर्दोष पुरुष अपनी नौकरी, सम्मान और जीवन तक खो देता है, तो उस महिला पर भी सख्त कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। साथ ही यह भी जरूरी है कि सभी कानून लिंग-निरपेक्ष हों, ताकि न्याय केवल एक पक्षीय न रहे। एक राष्ट्रीय पुरुष आयोग का गठन किया जाना चाहिए, जो ऐसे मामलों की सुनवाई करे। पुरुषों के लिए परामर्श केंद्र, हेल्पलाइन और पुनर्वास योजनाएं चलाई जानी चाहिए। साथ ही, मीडिया को भी अपनी भूमिका निष्पक्ष ढंग से निभानी होगी, ताकि सच को दबाया न जा सके।

- डॉ. संदीप गोहे, मनोवैज्ञानिक एवं पुरुष अधिकार कार्यकर्ता (एमआरए)

बाल श्रम में लगे हुए बच्चों को जिला प्रशासन एवं प्रदीपन ने दी राहत

बाल श्रम ने छीन लिया था बचपन, शुक्र है अब हम आजाद हैं

- पिछले वर्ष अभियान चलाकर 26 बच्चों को रेस्क्यू किया था

बैतूल, देशबन्धु। जिले में बाल श्रम किस कदर कैंसर से भी घातक अवस्था में है इसका जीवंत प्रमाण प्रदीपन संस्था की डायरेक्टर रेखा गुजरे का यह कथन है कि पिछले एक वर्ष में अभियान चलाकर 26 बच्चों को रेस्क्यू किया गया है। अनेक होटलों, ढाबों, मोटर गैराज, ईंटभट्टों और दुकानों पर छापा मारा गया। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि यदि वे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से मजदूरी कराते पाए गए तो बालश्रम प्रतिषेध अधिनियम के तहत उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें उन्हें प्रशासन का बराबर सहयोग मिला किन्तु एक सवाल मुंह उठा रहा है कि जब खुलेआम बाल श्रम हो रहा है तो जिम्मेदार आखिर किसकी राह देखते हैं कार्रवाई करने में? क्या इसके लिए किसी दिन विशेष की जरूरत होनी चाहिए? विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर सक्रिय नागरिक संगठन प्रदीपन ने श्रम विभाग, पुलिस विभाग और टास्क फोर्स के साथ मिलकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

जिले के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर 100 बालश्रमिक बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया। प्रदीपन संस्था देश के सबसे बड़े नागरिक समाज नेटवर्क जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन (जेआरसी) की सहयोगी है। यह नेटवर्क देश के 418 जिलों में सक्रिय है और बाल मजदूरी, बाल विवाह, बाल शोषण व तस्करी के खिलाफ ज़मीन पर काम कर रहा है। जेआरसी के सहयोग से पिछले दो वर्षों में 85 हजार से अधिक बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया है और 54 हजार से ज्यादा मामलों में कानूनी कार्रवाई की गई है। इस अभियान की सफलता में प्रदीपन के कोऑर्डिनेटर सुनील कुमार, सोशल वर्कर पुनम अतुलकर, चारूलता वर्मा, अलका नागले, ज्योति बागवे, विशाल आर्य, रवि चवारे और राकेश मन्नासे का अहम योगदान रहा।

बिजली कटौती पर बवाल

आमला, देशबन्धु। बोरदेही क्षेत्र में पिछले कुछ महीने से अघोषित बिजली कटौती की जा रही है जिसके चलते क्षेत्रवासी एवं किसान परेशान हो चुके हैं। विगत कई महीनों से बिजली विभाग द्वारा बोरदेही क्षेत्र में बिना शेड्यूल के बिजली बंद कर दी जाती है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के किसानों तथा आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली के अभाव में किसानों की फसलों पर सिंचाई नहीं हो पा रही है वर्तमान में खड़ी फसल बर्बाद होने की कगार पर आ चुकी है अघोषित कटौती होने के कारण परेशान क्षेत्र वासियों ने गुरुवार को बिजली विभाग कार्यालय बोरदेही जाकर जमकर प्रदर्शन किया तथा बिजली आपूर्ति सुधारने हेतु ज्ञापन सौंपा। आक्रोशित किसानों ने बिजली विभाग कार्यालय जाकर धरना प्रदर्शन किया तथा बिजली भी आपूर्ति सुधारने हेतु अंतिम चेतावनी दी।

सोलर केपिटल बनेगा मध्यप्रदेश

ऊर्जादाता बनेंगे मध्यप्रदेश के किसान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से प्रदेश के किसानों और छोटे निवेशकों को लाभ होगा और प्रदेश के किसान अब ऊर्जादाता बनेंगे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा समिट में एक ही मंच पर निवेशक, किसान, विशेषज्ञ और नीति-निर्माताओं ने उपस्थित होकर समृद्धि के नए द्वार पर दस्तक दी है। प्रदेश में अब तक 80 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जिससे 16 हजार से अधिक कृषि पम्पों को सौर उर्जा से उर्जीकृत किया जा चुका है। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब देश की सोलर कैपिटल ऊर्जाधानी बनने के मार्ग पर अग्रसर हैं। प्रदेश के रीवा, नीमच और ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा का सशक्त हस्ताक्षर बन रहे हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' से छोटे निवेशकों के साथ किसानों को भी लाभ मिलेगा। इस योजना से स्थानीय स्तर पर उद्यमियों को निवेश एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों के साथ सरकार 25 साल तक

बिजली खरीदने का समझौता करेगी। उन्होंने बताया कि 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' से किसानों को भी अत्यधिक फायदा होगा। योजना से किसानों को दिन में भी सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी। किसानों को रात में बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और दिन में 8 घंटे लगातार बिजली मिलेगी।

डॉ. यादव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना, प्रधानमंत्री कुसुम-सी योजना का विस्तार है। इस योजना में हर गांव के पास जो कृषि फीडर (जहाँ से किसानों को बिजली मिलती है) है, उसको सौर ऊर्जा से चलाने की तैयारी हो रही है। किसानों को आवश्यक बिजली की आपूर्ति सौर ऊर्जा से हो इसके लिए सम्पूर्ण फीडर और विद्युत सब-स्टेशन का सोलराइज़ेशन किया जाएगा। अलग से 8 हजार कृषि फीडर्स लगाए हैं, जिनसे 35 लाख कृषि पम्प जुड़े हैं। अब जल्द ही इन सभी फीडर्स पर सोलर पॉवर प्लांट लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसान बंजर जमीन पर सोलर पैनल लगवाकर बिजली बनाकर सरकार को बेच सकते हैं। किसानों को बैंकों से 7 वर्षों तक 3 प्रतिशत ब्याज में छूट भी मिलेगी। 240 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन किया गया। इसमें 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। इससे 21.40 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे जो प्रदेश के युवाओं के साथ अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेंगे। उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट- 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, इसमें 1900 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले।

मुख्यमंत्री सहित भाजपा-कांग्रेस ने सभी कार्यक्रम किए स्थगित

भोपाल, देशबन्धु। गुजरात के अहमदाबाद में आज हुए विमान दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री सहित भाजपा और कांग्रेस ने अपने सभी राजनीतिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विमान दुर्घटना में दिवंगतों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शुक्रवार 13 जून को होने वाले अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। वहीं डॉ. यादव ने विमान हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुर्घटना से मैं हताश हूँ और पूरा देश भी दुखी है। उन्होंने दु:ख की इस घड़ी में परमात्मा से सभी नागरिकों को संबल प्रदान करने की कामना भी की है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 साल पूर्ण होने पर आज प्रदेश भर में आयोजित पत्रकार वार्ताएं, प्रोफेशनल मीट सहित सभी संगठनात्मक कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। इधर प्रदेश कांग्रेस ने भी अपने सृजन संगठन अभियान के तहत कार्यक्रमों को स्थगित करने की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हादसे के मृतकों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि शुक्रवार को कांग्रेस का सृजन संगठन अभियान कार्यक्रम स्थगित किया गया है।

ग्वालियर पहुंचते ही ऊर्जा मंत्री ने विद्युत केन्द्र का निरीक्षण किया

बिजली उपभोक्ताओं के घर पहुंचकर सुनीं समस्याएं

भोपाल, देशबन्धु। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गुरुवार सुबह 4 बजे भोपाल एक्सप्रेस से ग्वालियर पहुंचते ही एक्शन में नजर आए। उन्होंने रेलवे स्टेशन से महाराजपुरा विद्युत वितरण केन्द्र पहुंचकर निरीक्षण किया तथा एफओसी के तहत दर्ज विद्युत शिकायतों का, उपभोक्ताओं से सीधे फोन पर बात कर निराकरण किया। श्री तोमर ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी परिस्थिति में बेवजह का विद्युत अवरोध नहीं होना चाहिए। यथासंभव उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर के साथ मुख्य अभियंता श्री अमित श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता श्री नितिन मांगलिक, कार्यपालन अभियंता श्रीनिवास यादव के अलावा अन्य अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने महाराजपुरा विद्युत वितरण केन्द्र का निरीक्षण करने के उपरांत ग्वालियर के गोवर्धन कॉलोनी, सैनिक कॉलोनी, दीनदयाल नगर, शताब्दीपुरम सहित कई इलाकों में जाकर नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और सुधार

के लिये तत्काल निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी तकनीकी खामियां समयबद्ध रूप से दुरुस्त की जाएँ, ताकि नागरिकों को निर्बाध व गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा उपलब्ध हो सके। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस दौरान उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर विद्युत समस्याओं को सुना और उनका त्वरित निराकरण किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में पंखे कूलर और एसी का उपयोग आवश्यक है, लेकिन ऐसा कोई कार्य ना करेंजिससे बिजली आपूर्ति में कोई व्यवधान आए। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं से कहा कि वह ऊर्जा विभाग का सहयोग करें। सामने आ रही बिजली की समस्या के निदान के लिए यह सेवक और पूरा ऊर्जा विभाग मैदान में है। बिजली की खपत बढ़ने से ट्रांसफार्मर पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार से बचने का तरीका यह है कि उपभोक्ता अपनी घरेलू बिजली का लोड बढ़वाएं तथा वैध विद्युत कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें।

खुदरा महंगाई दर मई में 6 वर्षों के निचले स्तर पर रही

- मई में कम होकर 2.82 प्रतिशत हुई
- पिछले साल मई में 4.8 प्रतिशत थी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की खुदरा महंगाई दर मई में कम होकर 2.82 प्रतिशत हो गई है, जो कि पिछले साल मई में 4.8 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी किए गए डेटा में यह जानकारी दी गई थी। खुदरा महंगाई दर का यह फरवरी 2019 के बाद सबसे निचला स्तर है। इस साल अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.16 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि खाद्य महंगाई दर मई में कम होकर 0.99 प्रतिशत हो गई है, जो कि अक्टूबर 2021 के बाद सबसे निचला स्तर है। खाद्य महंगाई दर बीते सात महीने से लगातार कम हो रही है।

कृषि उत्पादन का बढ़ना वजह

इसकी वजह कृषि उत्पादन का बढ़ना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मई के दौरान खुदरा महंगाई में बड़ी गिरावट मुख्य रूप से दालों, सब्जियों, फलों, अनाजों, घरेलू वस्तुओं एवं सेवाओं, चीनी और अंडों की कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। ईंधन की कीमतों में नरमी के कारण भी महंगाई में कमी आई है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बीते शुक्रवार को आरबीआई ने 2025-26 के लिए महंगाई के अपने पूर्वानुमान को भी 4 प्रतिशत से घटाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा, सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए और सामान्य मानसून को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति अब 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। महंगाई पहली तिमाही में 2.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 3.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मल्होत्रा ने कहा कि पिछले छह महीनों में मुद्रास्फीति में काफी कमी आई है, जो अक्टूबर 2024 में टोलरेंस बैंड से ऊपर थी और अब लक्ष्य से काफी नीचे आ गई है। इसमें व्यापक आधार पर नरमी के संकेत हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मार्च-अप्रैल में सीपीआई हेडलाइन महंगाई में गिरावट जारी रही, जिसमें अप्रैल 2025 में यह लगभग सालाना आधार पर छह साल के निचले स्तर 3.2 प्रतिशत पर आ गई थी।

डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति गठित

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन द्वारा एमपी स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच में सहकार्यता अनुबंध के उद्देश्यों की पूर्ति और डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। समिति के उपाध्यक्ष मंत्री पशुपालन एवं डेयरी विकास और सहकारिता मंत्री होंगे। समिति में सदस्य के रूप में मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव सहकारिता, अध्यक्ष एनडीडीबी, प्रमुख सचिव वित्त विभाग, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, प्रबंध संचालक एवं कार्यकारी निदेशकगण एनडीडीबी तथा संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन होंगे।

विभागीय मंत्री उपाध्यक्ष होंगे

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के हित में एवं सहकारी प्रणाली और सांची ब्रांड का उन्नयन करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं सम्बद्ध दुग्ध संघ के संचालन एवं प्रबंधन के लिए सहकारिता अनुबंध पर सहमति दिए जाकर अनुबंध निष्पादन किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस संबंध में अप्रैल माह में सहकार्यता अनुबंध निष्पादित किया गया था। राज्य स्तरीय समिति का मुख्य कार्य डेयरी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा एवं अनुश्रवण तथा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नीति निर्धारण, आवश्यक सहायता व दिशा निर्देश प्रदान करना है।

बोकारो में युवक ने दोस्त का अपहरण कर मांगे 25 लाख

बोकारो, एजेंसी। झारखंड स्थित बोकारो स्टील सिटी में एक कॉलेज छात्र 19 वर्षीय देवाशीष कुमार का उसके दोस्त ने ही अपहरण कर लिया और इसके बाद उसकी हत्या कर लाश को एक क्वार्टर के आंगन में दफना दिया। आरोपी का नाम अमन कुमार वत्स है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अमन ने देवाशीष की रिहाई के एवज में उसके घरवालों से 25 लाख रुपए की मांग की थी। बोकारो के एसपी हरविंदर सिंह ने गुरुवार दोपहर मीडिया को बताया कि पुलिस ने माराफारी थाना क्षेत्र स्थित गैमन कॉलोनी में एक क्वार्टर के आंगन में गड्ढा खोदकर दफनाया गया देवाशीष का शव बरामद कर लिया है। अपहरण और हत्या की इस वारदात में मुख्य आरोपी अमन कुमार वत्स के साथ कुछ अन्य लोग शामिल थे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। देवाशीष बोकारो सेक्टर-3 का रहने वाला था। उसने इसी वर्ष बोकारो के अयप्पा स्कूल से 12वीं विज्ञान की परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

उसके पिता विजेंद्र कुमार छत्तीसगढ़ की किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। देवाशीष बोकारो में अपनी मां के साथ रहता था। वह 10 जून की दोपहर मोबाइल पर दोस्त अमन का कॉल आने के बाद घर से निकला था। इसके बाद वह काफी देर तक नहीं लौटा तो उसकी मां ने कॉल किया, लेकिन उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। कई घंटों तक यहां-वहां तलाश करने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद रीता देवी ने 11 जून को बोकारो स्टील सिटी थाने में पुत्र की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसी दिन देवाशीष के मोबाइल नंबर से उसके ममेरे भाई के मोबाइल पर एक वीडियो भेजा गया, जिसमें देवाशीष रस्सी से बंधा हुआ था। वीडियो में बतौर फिरौती 25 लाख रुपए की मांग की गई थी। फिरौती की रकम नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसकी तलाश शुरू की। तकनीकी सेल की मदद से लोकेशन ट्रैक करते हुए पुलिस की टीम ने अमन कुमार वत्स को पकड़ा। इसके बाद उसकी निशानदेही पर गैमन कॉलोनी में क्वार्टर के आंगन में दफनाया गया शव बरामद किया गया। अमन से पूछताछ में पता चला कि वह साइबर क्राइम में शामिल रहा है। इस वजह से साइबर पुलिस ने उसका बैंक अकाउंट फ्रीज करा दिया था। उसे पैसे की जरूरत थी, इसलिए उसने दोस्त का अपहरण कर पैसा वसूलने की योजना बनाई। फिरौती वसूलने में नाकाम रहने पर उसने गला घोंटकर देवाशीष की हत्या कर दी और इसके बाद क्वार्टर में गड्ढा कर लाश दफना दी। पुलिस ने गड्ढा करने के लिए इस्तेमाल किया गया लोहे का सबल, तीन मोबाइल, एक सिम, 32 जीबी का मेमोरी कार्ड, शराब की बोतल, मृतक देवाशीष के कपड़े और चप्पल, आरोपी का जूता सहित कुछ अन्य सामान बरामद किए हैं।

टैगोर के पैतृक घर पर हमले की भारत ने की निंदा

हमला बंगला सांस्कृतिक धरोहर को मिटाने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने बंगलादेश में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमला कर उसे ध्वस्त करने की घटना को बंगला संस्कृति एवं विरासत को मिटाने की कोशिश करार दिया है और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में बंगलादेश की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम 8 जून को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर भीड़ द्वारा किए गए घृणित हमले और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से रवींद्र कचहरी बाड़ी कहलाने वाला यह घर बंगलादेश के सिराजगंज जिले में स्थित है। यह हिंसक कृत्य नोबेल पुरस्कार विजेता की स्मृति और बंगलादेश में उनके द्वारा अपनाए गए समावेशी दर्शन और शिक्षाओं का अपमान है। प्रवक्ता ने कहा, यह हमला चरमपंथियों द्वारा सहिष्णुता के प्रतीकों को मिटाने तथा बंगलादेश की समन्वयकारी संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने के लिए किए जा रहे व्यवस्थित प्रयासों के व्यापक पैटर्न में आता है। हम अंतरिम सरकार से चरमपंथियों पर लगाम लगाने तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके, जो दुखद रूप से एक दोहराव वाली विशेषता बन गई है।

तमिलनाडु से छह उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

एमएनएम के संस्थापक कमल हासन भी शामिल

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में राज्यसभा की सीटों के लिए सभी छह उम्मीदवारों के गुरुवार को निर्विरोध चुन लिये गये जिनमें नेता से अभिनेता बने मकाल नीधि मेयम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन भी शामिल हैं। पीठासीन अधिकारी एवं अतिरिक्त सचिव तथा विधानसभा सचिव बी सुब्रमण्यम ने आधिकारिक तौर पर यह घोषणा करते हुए बताया कि नामांकन वापस लेने की अंतित तारीख पर आज किसी भी उम्मीदवार के नामांकन वापस नहीं लेने के कारण सभी छह उम्मीदवारो को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिया गया है। उन्होंने बाद में सभी उम्मीदवारों को इस आशय का प्रमाण पत्र देते हुए उनके राज्यसभा के लिए चुने जाने की घोषणा की। विजयी उम्मीदवारों में द्रविड़ मुनेत्र कषगम द्रमुक के वर्तमान सांसद एवं वरिष्ठ वकील पी विल्सन को दूसरे कार्यकाल के लिए पुन: नामांकित किया गया है। पार्टी के सेलम जिला सचिव एस.आर. शिवलिंगम, पार्टी पदाधिकारी एवं प्रसिद्ध तमिल लेखिका एवं कवि सलमा उर्फ राजति, कमल हासन, अन्नाद्रमुक के कानूनी विंग के सचिव आई.एस. इनबादुरई और पार्टी के चेंगलपट्टू पूर्व जिला प्रेसीडियम के अध्यक्ष एम. धनपाल शामिल हैं।

द्रमुक के तीन उम्मीदवार निर्वाचित: छह उम्मीदवारों में द्रमुक के तीन, उसकी सहयोगी एमएनएम से श्री हासन और विपक्षी अन्नाद्रमुक के दो उम्मीदवारों को आज नाम वापस लेने की अंतिम तिथि के दिन निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

चूंकि छह सीटों के लिए 19 जून को होने वाले चुनाव में कोई मुकाबला नहीं था इसलिए सभी छह उम्मीदवारों को राज्यसभा के लिए गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। तमिलनाडु के छह सांसदों डॉ. अंबुमणि रामदास (पीएमके), एम षणमुगम, एन चंद्रशेखरन, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, पी विल्सन (सभी द्रमुक) और वाइको (एमडीएमके) का कार्यकाल

मोदी ने 11 वर्षों में हर वादा तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गुरुवार को सीधा हमला करते हुए हर वादा तोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि पिछले 11 वर्षों में उन्होंने देश की जनता से कई वादे किए लेकिन कोई भी वादा निभाया नहीं। कांग्रेस नेता ने आज कहा कि श्री मोदी लोगों को लुभाने के लिए खूब वादे करते हैं लेकिन कोई वादा पूरा नहीं करते हैं। वह वादा तोड़ते हैं इसलिए उनका हर वादा जुमला साबित हो जाता है। उन्होंने देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने की बजाए सपने तोड़कर उन्हें बेरोजगार बनाया है। श्री गांधी ने यहां जारी बयान में कहा, प्रधानमंत्री ने 11 वर्षों में हर वादा तोड़ा। दो करोड़ नौकरियाँ देने का वादा। जुमला बन गया। पकौड़े तलवाए, फॉर्म भरवाए, लेकिन कोई दिशा नहीं दी। डिग्री के बाद भी नौकरी नहीं, तैयारी के बाद भी भर्ती नहीं, मेहनत के बाद भी सम्मान नहीं। ये सिर्फ़ बेरोज़गारी नहीं - ये देश के युवाओं की उपेक्षा है। उन्हें एक सपना दो। उन्हें राष्ट्रनिर्माण में भागीदार बनाओ। उन्होंने कहा, 'रोज़गार क्रांति'अब ज़रूरी है - लेकिन ये सरकार यह समस्या सुलझा नहीं सकती क्योंकि यही इसका कारण है।

भारत को अमेरिका से 3 बड़े झटके लगे:कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा- बुधवार को एक ही दिन में भारत की कूटनीति (डिप्लोमेसी) को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इनसे भारत की विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जयराम ने कहा- अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया।

अमृत हरित कार्यशाला आज, विशेषज्ञों के होंगे व्याख्यान

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शुक्रवार 13 जून को प्रात: 8:30 बजे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला अमृत हरित अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और पहलों का प्रसार करना है। कार्यशाला में मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रत्येक नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है। कार्यशाला के दौरान कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषताएँ एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन, बगीचों के लिये तकनीक एवं उपकरण की आवश्यकताएँ, वृक्षारोपण और पौध-रोपण से संबंधित अधिनियमों का विश्लेषण तथा वृक्षारोपण उपरांत समुचित प्रबंधन विषय पर चर्चा की जायेगी।

कार्यशाला में दिव्यांग पार्क, होशंगाबाद एवं उज्जैन की सफलता की कहानियों को भी साझा किया जायेगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे के निर्देशन में अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े ने सभी नगरीय निकायों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किये हैं। इसके साथ ही पौध-रोपण कार्य में संलग्न शासकीय और अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यशाला में भाग लेंगे।

बंगाल के महेशतला में निषेधाज्ञा लागू , 40 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला में बुधवार को दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद एक मंदिर में तोड़फोड़ से तनाव की स्थिति निर्मित हो गयी और और स्थानीय प्रशासन ने गुरुवार को इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (पूर्व में धारा 144) की धारा 163 लागू कर दी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने करीब 40 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने लोगों को हिंसा में शामिल न होने की चेतावनी दी है। सशस्त्र बलों ने कानून लागू करने वालों पर हमला करने वाले संदिग्धों की तलाश में नए सिरे से तलाशी अभियान शुरू किया है, जिसमें कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सात प्राथमिकी दर्ज की हैं और उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। हिंसा प्रभावित इलाके के निवासी आज घरों के अंदर ही रहे। इलाके में दुकानें और बाजार बंद रहे। महेशतला में कल शिव मंदिर के सामने दुकानों के निर्माण को लेकर विवाद के बाद हिंसा भड़क उठी। स्थानीय निवासियों ने इस कदम का विरोध किया और इसके बजाय एक छोटा तुलसी मंदिर बनाया, जिसके कारण कथित तौर पर हिंसक प्रतिक्रिया हुई। हिंसा को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और कोलकाता से अतिरिक्त बल बुलाया। पथराव के दौरान एक महिला कांस्टेबल सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। अब रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) को तैनात किया गया है। इस बीच विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी ने केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती और राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा जांच की मांग को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उन्होंने पुलिस महानिदेशक और संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक से स्थानीय विधायक के साथ महेशतला जाने की अनुमति भी मांगी।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुनियाभर में शोक

वैश्विक नेताओं ने जताया दुख, बताया भीषण त्रासदी

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से दुनियाभर में शोक की लहर दौड़ गई है। विमान में 240 से अधिक यात्री सवार थे। यह हादसा शहर के मेघानीनगर इलाके के पास हुआ। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस दुर्घटना को विनाशकारी दृश्य बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर बेहद दुखद है।

इस विमान में कई ब्रिटिश नागरिक सवार थे। मैं लगातार स्थिति की जानकारी ले रहा हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ हैं। विमान में कम से कम 169 भारतीय और 53 ब्रिटिश नागरिक सवार थे और यह लंदन के गैटविक हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री डेविड लैमी ने भी हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में हुए इस भीषण विमान हादसे की खबर से बेहद दुखी हूं। सभी प्रभावित लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। यूके सरकार स्थानीय भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्य जुटाने और सहायता पहुंचाने में जुटी है। ब्रिटिश कंज़र्वेटिव पार्टी की सांसद प्रीति

पटेल ने यूके सरकार से अपील की कि वह भारत सरकार के साथ मिलकर ब्रिटिश परिवारों को मदद पहुंचाए। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से प्रभावित सभी लोगों के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं। यह हादसा उन परिवारों के लिए अत्यंत चिंता का विषय है, जिनके प्रियजन विमान में सवार थे। सरकार को तत्काल भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश नागरिकों की मदद करनी चाहिए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इस दुखद हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत में हुए यात्री विमान हादसे की भयावह खबर मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता के प्रति मेरी गहरी संवेदना। हम भारत, यूके, पुर्तगाल और कनाडा के पीड़ितों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलिपोव ने भी हादसे को भीषण त्रासदी बताया और कहा कि अहमदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर आ रही है। पीड़ितों के परिजनों, भारत की जनता और सरकार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लिखा कि अहमदाबाद, गुजरात में विमान दुर्घटना की खबर जानकर व्यथित हूं। इस हादसे में हताहत हुए सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल यात्रियों की रक्षा करें।

मृतकों के परिवारों को एक करोड़ रुपए की मदद देगा टाटा ग्रुप

नई दिल्ली। एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के क्रैश में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने गुरुवार को एक करोड़ रुपए की मदद का ऐलान किया गया है। टाटा ग्रुप की ओर से जारी बयान में चंद्रशेखरन ने कहा कि इस हादसे में घायल सभी लोगों का मेडिकल खर्च टाटा ग्रुप वहन करेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उन्हें जरूरी देखभाल और सपोर्ट मिले। बयान में आगे कहा गया कि इसके अतिरिक्त, टाटा ग्रुप बी जे मेडिकल छात्रावास के निर्माण में भी सहायता प्रदान करेगा। टाटा ग्रुप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, एयर इंडिया फ्लाइट 171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। पोस्ट में आगे लिखा कि हम इस मुश्किल समय में प्रभावित परिवारों के साथ दृढ़तापूर्वक खड़े हैं। इससे पहले चंद्रशेखरन ने विमान दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा था कि एयरलाइन का प्राथमिक ध्यान सभी प्रभावित लोगों और उनके परिवारों की सहायता करना है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।